CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

वर्ष-14, अंक-293

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

इंदौर, गुरुवार 25 जनवरी 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

मन में आज़ादी, शब्दों में ताकत, खून में पवित्रता, आत्मा में गौरव, दिलों में जोश, आइए गणतंत्र दिवस पर अपने भारत को सलाम करें। गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ।

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर सिटी चीफ कार्यालय में अवकाश होने के कारण अगला अंक 27 जनवरी(शनिवार) को प्रकाशित होगा-
प्रधान संपादक
सभी पाठको को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ।- संपादक

गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने भारत आएंगे मैक्रों, देश को संबोधित करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति देशवासियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। इसके अलावा, गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों आज जयपुर से भारत की अपनी दो दिवसीय यात्रा शुरू करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी भी मैक्रों की अगवानी के लिए जयपुर पहुंचेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और ब्रज क्षेत्र के लिए 20,435 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देने के साथ लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान का आगाज करेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू, राष्ट्र के नाम देंगी संदेश भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। 26 जनवरी को भारत धूमधाम से अपने लोकतंत्र का त्योहार मनाएगा। समस्त देशवासियों में 26 जनवरी को लेकर उत्साह है। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति देशवासियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। इसी के साथ वे देश में हुए नवाचारों और देश के उत्थान पर हर्ष व्यक्त करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू देशवासियों को 26 जनवरी के पावन अवसर की शुभकामनाएं देंगी। 75वें गणतंत्र दिवस की थीम 'विकसित भारत और भारत- लोकतंत्र की मातृका' रखी गई है। गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ (पहले राजपथ कहा जाता था) पर ध्वजारोहण करेंगी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह अमर जवान ज्योति पर श्रद्धांजलि देंगे। इस समारोह के मुख्य आकर्षण यानी परेड का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच है। परेड का रुट विजय चौक से नेशनल स्टेडियम के बीच है जो पांच किमी होगा। मुख्य कार्यक्रम दिल्ली स्थित कर्त्तव्य पथ पर होगा

उज्जैन से जल्द होगी हवाई सेवा की शुरुआतः मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने गृह नगर उज्जैन में हवाई सेवा की शुरुआत जल्द ही किए जाने का ऐलान किया है। मीडिया से कहा है कि अयोध्या में श्री रामलाल की प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद सभी देवस्थलों पर अधिक काम करने की आवश्यकता है। लोग हेलिकाप्टर से उज्जैन आ-ज सके इसके लिए हेलिपेड और हवाईजहाज से भी आ-जा सके इसके लिए एयरपोर्ट का निर्माण किया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन व पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना की। साथ ही मंदिर परिसर में चल रहे विस्तारीकरण निर्माण कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं को शीघ्र दर्शन हो, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रख अनेक निर्माण कार्य कराने का लक्ष्य रखा है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के साथ सनातन संस्कृति के संरक्षण का काम भी कर रही है। वे बुधवार को महाकालेश्वर मंदिर में चल रहे निर्माण कार्यों को देखने आए थे। मालूम हो कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर ही 10 दिन पहले ही विमानन विभाग के आयुक्त चंद्रमौली शुक्ला उज्जैन में एयरपोर्ट बनाने के लिए देवास रोड स्थित दताना-मताना हवाई पट्टी का निरीक्षण कर गए थे। उनके साथ एयरपोर्ट अथारिटी के पदाधिकारी साथ थे। एयरपोर्ट बनाने के लिए कितनी जमीन की आवश्यकता होगी, जमीन अधिग्रहित करने और बुनियादी सुविधाओं का निर्माण करने पर कितनी राशि खर्च होगी, इसका प्रस्ताव राजस्व और लोक निर्माण विभाग के अफसरों से मांगा था। तब एक आदर्श एयरपोर्ट बनाने पर 250 से 300 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान जताया था। 10 दिन गुजर चुके हैं मगर अब तक प्रस्ताव तैयार नहीं हुआ है। देवास रोड पर दताना- मताना क्षेत्र में एयरपोर्ट बना तो उज्जैन महानगर बनने की ओर कदम बढ़ा देगा। एयरपोर्ट बनने की चर्चाओं के बीच ही देवास रोड, देवास रोड, मक्सी रोड क्षेत्र में जमीन की कीमतों में काफी उछला आ गया है। यहां मकान, भूखंड खरीदना बहुत महंगा हो गया है। आने वाले दिनों में यहां कई बड़े माल, अस्पताल, कालेज खुलने की भी उम्मीद है। अफसरों का भी मानना है कि प्रस्तावित जमीन उज्जैन-देवास-इंदौर के संगम पर स्थित है। यहां एयरपोर्ट बनने से चहुंमुखी विकास होगा।

एयरपोर्ट बनने के बाद उज्जैन महानगर के रूप में पहचान बनाएगा। देश के नामचीन लोगों का आना-जाना भी बढ़ेगा। एक खास वजह, देश की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए विक्रम उद्योगपुरी का खुलना भी है जहां 40 बड़े उद्योगों के साथ मेडिकल डिवाइस पार्क भी खुल रहा है। एंटीबायोटिक दवा बनाने में उपयोगी मुख्य रासायनिक संरचना 7-एसीए का निर्माण करने को भारत सरकार की कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्युटिकल कंपनी का प्लांट भी खुलने जा रहा है। अगले कुछ वर्षों में यहां 4216 करोड़ रुपये का निवेश और 11536 लोगों के लिए रोजगार के द्वार खुलने की उम्मीद है।

दुर्गियाना तीर्थ को फिर मिली धमकी

खालिस्तानी समर्थकों के गरमाए स्वर, बोले- गोल्डन टैंपल को चाबी सौंपे नहीं तो...

अमृतसर। अमृतसर के प्रसिध्द पर्यटन स्थलों में से एक दुर्गियाना तीर्थ को एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दुर्गियाना मंदिर को नुकसान पहुंचाने की धमकी दूसरी बार मिली है। अज्ञात खालिस्तानी समर्थकों ने आज सुबह श्री दुर्गियाना तीर्थ कार्यालय में फोन करके धमकी दी है।

दुर्गियाना तीर्थ को बम से उड़ा देंगे

खालिस्तानी समर्थकों ने कहा कि तीर्थ को बंद करके इसकी चाबियां श्री हरिमंदिर साहिब में सौंप दी जाए। नहीं तो तीर्थ को बम से उड़ा देंगे। इससे पहले खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भी इसी प्रकार की धमकी दी थी। इस बात की पुष्टि कमेटी की अध्यक्ष लक्ष्मी कांता चावला ने की है। इधर धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने श्री तीर्थ के इर्द-गिर्द सुरक्षा कड़ी कर दी है।

आतंकी पन्नू के खिलाफ मामला दर्ज

दुर्ग्याणा मंदिर को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने वाले आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ थाना डी डिवीजन में एकता अखंडता, माहौल खराब करने और आइटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। आतंकी की यह ब्यानबाजी अलग-अलग समूहों में दुश्मनी बढ़ाना और गलत भावना पैदा करना है। उल्लेखनीय है कि श्री आयोध्या धाम में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद आतंकी सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने मंदिरों पर हमले की धमकी दी थी। उसने कहा था कि आयोध्या में राम मंदिर बाबरी मस्जिद को गिराकर बनाया गया है। इससे तय है कि आयोध्या राम की है। ऐसे ही अमृतसर चौथे पातशाह गुरु श्री रामदास जी द्वारा बसाया हुआ है और यह गुरु रामदास जी का ही रहेगा।

महिला कर्मचारी से जूते का लेस बंधवाने वाले चितरंगी एसडीएम को मुख्यमंत्री ने हटाया

सिंगरौली। अभी बांधवगढ़ स्थरू द्वारा ओवरटेक करने पर युवक की पिटाई का मामला ठंडा भी नहीं कि एक एक और एसडीएम की तस्वीर सामने आई है। सिंगरौली के चितरंगी तहसील अंतर्गत में पदस्थ एसडीएम चितरंगी की महिला कर्मचारी से खुद के पैर में जूता पहनवाते हुए फोटो सोशल मीडिया पर हुई वायरल हुई थी। यह तस?वीर सामने आने के बाद एसडीएम ने महिला को माता तुल्य बताया था, लेकि?न मुख?यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एक?स हैंडल पर एसडीएम को हटाने का निर्देश दिया है।तस?वीर वायरल होने से स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया है। यह घटना 22 जनवरी की बताई जा रही है। सिंगरौली जिले के चितरंगी में एसडीएम द्वारा एक महिला से उनके जूते के फीते बंधवाने का मामला सामने आया है, जो अत्यंत निंदनीय है। महिला कर्मचारी एसडीएम की विभागीय लिपिक 22 जनवरी को चितरंगी उत्कृष्ट विद्यालय में राज्य मंत्री राधा सिंह के मौजूदगी में जब श्री राम भगवान के प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव का कार्यक्रम चल रहा था। उक्त फोटो उसी समय की है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही। जूते पहनाने वाली महिला कर्मचारी एसडीएम की विभागीय लिपिक बताई जा रही है । एसडीएम ने महिला को बताया माता तुल्य चितरंगी एसडीएम असवान राम चिरावन ने सफाई देते हुए बताया कि विधान सभा चुनाव के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बगदारी में सभा के दावारन मेरा पैर स्लिप हो गया जिसमे मेरे दो पाई में गंभीर चोट आई थी जिसके चलते मैं ठीक से चल नहीं सकता हूं। एसडीएम ने बताया कि 22 जनवरी को रामलल्ला के प्राण प्रतिष्ठा के समय राज्य मंत्री राधा सिंह का कार्यक्रम था उनके प्रोटोकाल में मुझे रहना पड़ा। पूजा के समय जूते पैर से उतरे थे पूजा के बाद जूते पहन भी लिए थे किंतु लेस बाधंने के झुक नहीं पा रहे थे तो माता तुल्य महिला ने मदद की थी। मैंने कोई पद का दुर्पयोग नहीं किया है।

प्रदेश में 226 इकाइयां संचालित कर रही 350 से अधिक होम स्टे

भोपाल। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की तर्ज पर मध्य प्रदेश में भी कोविड काल से पूर्व आरंभ हुई होम स्टे की परियोजना अब गति पकड़ने लगी है। वर्तमान में होम स्टे के लिए 226 इकाइयां पंजीकृत हैं, जिनके माध्यम से 350 से अधिक होम स्टे (कमरे) पर्यटकों के लिए उपलब्ध हैं।एक इकाई एक से अधिक होम स्टे का संचालन कर रही है। पर्यटन बोर्ड की ओर से दी गई सब्सिडी से बने इन होम स्टे का संचालन ज्यादातर महिलाएं कर रहीं हैं, जिन्हें पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रशिक्षित करता है। कई जनजातीय महिलाओं को भी इससे रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के उन सभी घर मालिकों को आय का अवसर देने वाली होम स्टे परियोजना वर्ष 2018 में आरंभ की थी। ये ऐसे लोगों के लिए है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के लिए अपने घर का एक हिस्सा पर्यटक आवास के रूप में देने के इच्छुक होते हैं।

अगर हिम्मत है तो गिरफ्तार करके दिखाएं

असम के ढुबरी से आगे बढ़ी कांग्रेस की यात्रा

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुरुवार को असम के ढुबरी से आगे बढ़ी। असम में यात्रा का आज आखिरी दिन है। मंगलवार को गुवाहाटी में पुलिस से हुई कांग्रेस कार्यकर्ताओं की झड़प और राहुल गांधी पर एफआईआर के खिलाफ कांग्रेस नेताओं ने तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद अब्दुल खालेक ने कहा कि अगर उनमें (हिमंत बिस्व सरमा) हिम्मत है तो गिरफ्तार करके दिखाएं। अभी करके दिखाएं। लोकसभा चुनाव के बाद क्यों गिरफ्तार करना है। वह पुलिस को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

मां शाकम्भरी की जयंती पर तांडव आरती के साथ ही मां काली का होगा पूजन

इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 25 जनवरी को आयोजित किए जाएंगे। इसमें कहीं मां शाकम्भरी की जयंती पर तांडव आरती होगी तो कहीं स्थापना महोत्सव में मां काली का पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही पांच दिनी गुरुमत समागम में ख्यात कीर्तनकार गुरु की महिमा गाएंगे। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में देश भक्ति के तराने भी गाए जाएंगे।- मां शाकम्भरी देवी सकराय माताजी का जयंती महोत्सव बायपास स्थित सम्पत पैलेस, वैष्णोधाम मंदिर के पास मनाया जाएगा। महोत्सव की शुरुआत सुबह 9 बजे स्थापना पूजन के साथ होगी। इसके बाद 9.30 बजे मंडल पूजन, 10.30 बजे दुर्गा सप्तशती पाठ एवं 2.30 बजे से मंगल पाठ होगा। शाम 6.15 बजे परंपरागत तांडव आरती एवं महाआरती तथा महाज्योत के दर्शन भी होंगे। इसके बाद कन्या पूजन के बाद 7 बजे से द्वारका मंत्री की भजन संध्या होगी। तीन दिनी 10वां स्थापना महोत्सव अहिरखेड़ी कालकाधाम मे आयोजित किया जा रहा है। इसमें सुबह 9 बजे से नवचण्डी पाठ वैदिक ब्राह्मणों द्वारा किया जाएगा। इसके बाद रात 8.30 बजे दीपोत्सव व सुंदरकांड पाठ होगा। इसके बाद स्वाति काले एवं हरिओम महाराज द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। पांच दिनी गुरुमत समागम वसणशाह कालोनी टावर चौराहा पर होगा। इसमें सुबह 10 से कीर्तन और कथा होगी। इस अवसर पर भाई करनैल सिंह दरबार साहब अमृतसर, अमरजीत सिंह पटियाल, कथावाचक डा. हरबन सिंह अलकरवाले, भाई कृपालसिंह भाव नगर कीर्तन करेंगे। दोपहर को दीवान की समाप्ति के बाद गुरु का अटूट लंगर भी होगा।शहर के पश्चिम क्षेत्र में आयोजित राम कथा महोत्सव के समापन के अगले दिन सदर बाजार चौक पर अन्नकूट महोत्सव व आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव दोपहर 1 बजे होगा। आराध्य को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया जाएगा।

भारत पर्व के सफल आयोजन हेतु नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

सिटी चीफ। धीरज कुमार अहीरवाल

दमोह, रा'य शासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 की संध्या पर लोक उत्सव भारत पर्व का आयोजन मानस भवन दमोह मे शाम 06 बजे से किये जाने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाओं तथा स्थानीय व्यवस्थाओं के लिये कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने संयुक्त कलेक्टर दमोह अविनाश रावत को नोडल अधिकारी तथा उनके सहयोग एवं भारत पर्व के सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। पूर्व में डिप्टी कलेक्टर ब्रजेश सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था।

कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा को सहायक नोडल अधिकारी/ लैक्स, मु य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद दमोह को सहायक नोडल अधिकारी/ माईक, कुर्सी, सोफासेट, बिछायत, लाईट एवं साउंड, आमंत्रित अतिथियों की बैठक व्यवस्था, चाय, कॉफी, नाश्ता तथा अतिथि कलाकारों की भोजन व्यवस्था, शासकीय कन्या हाई स्कूल अभाना के प्राचार्य डॉ. आलोक सोनवलकर को कार्यक्रम संयोजक एवं समन्वय/मंच संचालन, तहसीलदार दमोह मोहित जैन को कार्यक्रम दल के साथ संपर्क तथा आवास व्यवस्था (रैस्ट हाउस/सर्किट हाउस दमोह) प्रभारी/ भोजन, जनसंपर्क अधिकारी बाय.ए. कुरैशी को प्रदर्शनी एवं प्रचार-प्रसार, जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान दमोह मुकेश द्विवेदी को फूल माला एवं पुष्पगु'छ, अतिथि कलाकारों को कार्यक्रम के दौरान स्वल्पाहार एवं चाय व्यवस्था तथा शिक्षक विपिन चौबे एवं शिक्षक दिलीप जोशी को मंच संचालन हेतु नियुक्त किया है।

इंदौर में बिल्डर ने अबार्शन की गोलियां खिलाई, बेटी हुई तो पिस्टल निकाल दी धमकी

इंदौर। दुष्कर्म का आरोपित बिल्डर पुलिस को छका रहा है। 15 दिन बाद भी विजय नगर पुलिस आरोपित को नहीं पकड़ पाई है। हाईप्रोफाइल आरोपित के राजनेताओं और बड़े कारोबारियों से संबंध है। कई पुलिस अफसरों से भी सीधा संपर्क है। पीड़िता ने पुलिस पर जानबुझकर न पकड़ने का आरोप लगाया है। उसने पुलिस के समक्ष बयान दर्ज करवाकर उसके साथ हुए अत्याचार का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया है।बापट चौराहा (इंदौर) निवासी 35 वर्षीय महिला ने लिखित शिकायत कर सेठी नगर (उज्जैन) निवासी अतुल पुत्र कृष्णाराव पवार के खिलाफ दुष्कर्म की एफआइआर दर्ज करवाई। अतुल श्री स्वस्तिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का मालिक है। महिला पुलिस अफसर के समक्ष हुए कथनों में पीड़िता ने बताया कि अतुल से एक दुकान पर परिचय हुआ था। उसने स्वयं का नाम अली (मुस्लिम) बताया और प्रेम करने लगा। उसने पीड़िता से शारीरिक संबंध बना लिए। गर्भवती होने पर अतुल दवाइयां खिलाने लगा। 2 फरवरी 2018 में उसने एक बेटी को जन्म दिया को अतुल बौखला गया। शराब पीकर आया और पीड़िता के सिर पर पिस्टल रख कर गोली मारने की धमकी देने लगा। उसका आरोप है कि अतुल शादीशुदा है। उसने झूठ बोल कर संबंध बनाए है। उज्जैन से इंदौर लेकर आ गया था। वह कई बार अबार्शन भी करवा चुका है। निजी अस्पताल में भी भर्ती करवाया था।

इंदौर के हुकमचंद मिल मजदूरों को 29 जनवरी से शुरू होगा पैसा मिलना

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। हुकमचंद मिल के 5895 मजदूरों को उनके हक का पैसा मिलने का समय आखिर निकट आ ही गया। मजदूरों को 29 जनवरी से राशि मिलना शुरू हो जाएगी। तीन सदस्यीय कमेटी को 15 दिन में प्रक्रिया पूरी करनी होगी। कोर्ट ने कहा है कि मजदूरों का भुगतान सर्वोच्च प्राथमिकता है।परिसमापक मिल के सभी मजदूरों के दस्तावेजों के सत्यापन का इंतजार न करें। कमेटी जैसे-जैसे दस्तावेजों का सत्यापन करती जाए वैसे-वैसे मजदूरों को भुगतान जारी किया जाए। यानी 29 जनवरी से मजदूरों को भुगतान होना शुरू हो जाएगा और 15 दिन में सभी मजदूरों को पैसा मिल जाएगा। इस मामले में कोर्ट ने मंगलवार को सभी पक्षों की बात सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। तीन पेज का यह आदेश 24 जनवरी को जारी हुआ। कोर्ट ने मजदूरों के दस्तावेजों के सत्यापन के लिए तीन सदस्यीय कमेटी भी गठित कर दी है। इसमें मजदूरों की तरफ से हुकमचंद मिल मजदूर कर्मचारी अधिकारी समिति के सचिव किशनलाल बोकरे को शामिल किया गया है। इसके अलावा मल्हारगंज तहसीलदार और सालसा के सचिव भी इस कमेटी के सदस्य होंगे। कोर्ट ने परिसमापक से कहा है कि वे कमेटी के तीनों सदस्यों के साथ बैठक कर दस्तावेजों के सत्यापन, भुगतान के लिए स्थान तय कर लें। गौरतलब है कि हुकमचंद मिल के 5895 मजदूर और उनके

स्वजन को भुगतान करने के लिए मप्र गृह निर्माण मंडल ने 20 दिसंबर 2023 को परिसमापक के खाते में 217 करोड़ 86 लाख रुपये जमा कराए थे। मिल मजदूरों ने परिसमापक के पास अपने दस्तावेज जमा कराना शुरू भी कर दिए हैं। अब तक तीन हजार के लगभग फार्म जमा हो गए हैं। मंगलवार को कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था जो बुधवार को जारी हुआ। तीन पेज के आदेश में कोर्ट ने कोर्ट ने भुगतान जल्द से जल्द शुरू करने को कहा है। बचत खाते में पहुंचेगी राशि हुकमचंद मिल के मजदूरों से दस्तावेजों में उनके बचत खाते की जानकारी भी मांगी गई है। मुआवजे की राशि मजदूरों के बचत खाते में ट्रांसफर की जाएगी। यह है मामला 12 दिसंबर 1991 को हुकमचंद मिल प्रबंधन ने मिल बंद कर दिया था। उस वक्त मिल में 5895 मजदूर काम करते थे। अचानक मिल बंद होने से इन सभी मजदूरों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया था। मजदूरों ने अपने बकाया भुगतान और मुआवजे के लिए हाई कोर्ट की शरण ली। वर्ष 2007 में हाई कोर्ट ने मजदूरों के हक में 229 करोड़ रुपये मुआवजा तय किया था। इस रकम का भुगतान मिल की जमीन को बेचकर होना था लेकिन जमीन बिक नहीं सकी और मजदूरों का भुगतान अटक गया। हाल ही में नगर निगम और मप्र गृह निर्माण मंडल ने मिल की जमीन पर आवास और व्यसायिक प्रोजेक्ट लाने को लेकर सहमति जताई जिसके बाद मजदूरों के भुगतान का रास्ता साफ हो सका।

इंदौर के नेनोद गांव के पास एकदंत सोसायटी में दिखा तेंदुआ, दहशत में रहवासी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सुपर कारिडोर क्षेत्र में घूम रहा तेंदुआ बीते दस दिन से वनकर्मियों को छकाने में लगा है। तीन दिन के भीतर दूसरा वीडियो गुरुवार सुबह सामने आया है, जो नेनोद गांव के पास एकदंत सोसायटी का बताया गया है। यहां तेंदुआ देखा गया है।लोगों ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया है। वन अफसरों को मिलते ही तत्काल वनकर्मियों को तेंदुए को ढूंढने में लगा दिया है। वहीं क्षेत्र में रहने वाल लोग काफी दहशत में है। हालांकि वन विभाग ने पुलिस की मदद ली। पिछले मंगलवार से तेंदुए को खोजने के लिए वन विभाग का अमला जुटा हुआ है। इंफोसिस के बाद बुधवार को नेनोद गांव में आने वाले समर्थ कालोनी में पिंजरे लगाए है। बावजूद इसके तेंदुआ पकड़ में नहीं आया है। गुरुवार सुबह आठ बजे तेंदुआ का मूवमेंट फिर देखा गया। इस बार समर्थ कालोनी से दो किमी दूर एकदंत सोसायटी में उसे देखा है। वीडियो आते ही विभाग ने तुरंत पुलिस को सूचना देते हुए इलाकें की घेराबंदी कर दी। ताकि तेंदुए के आसपास कोई नहीं जा सके। इस काम में पुलिस की मदद ली गई। डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि तेंदुए को ढूंढने के लिए ड्रोन की मदद लेंगे। मगर क्षेत्र नो फ्लाइंग जोन होने के वजह से वरिष्ठ अधिकारियों से इसके बारे में अनुमति दे रहे है। उसके आधार पर तेंदुए को बेहोश किया जाएगा। वे बताते है कि 25 लोगों की टीम सर्चिंग में लगी है।

संपत्ति मालिक को कानून में प्राप्त हैं कई अधिकार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। प्रत्येक व्यक्ति को भारतीय संविधान के तहत संपत्ति का अधिकार प्राप्त है। अगर उसकी संपत्ति पर उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई कब्जा करता है या कोई दूसरा व्यक्ति संपत्ति को बेचता है या नकली दस्तावेज तैयार कर उस संपत्ति को बेचने का प्रयास करता है तो ऐसे संपत्ति मालिक को कानून में कई अधिकार प्राप्त हैं।एडवोकेट शिवम सोनी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता में धारा 420 में यह प्रविधान है कि किसी व्यक्ति की संपत्ति को कोई धोखाधड़ी से प्राप्त कर लेता है या कब्जा कर लेता है तो ऐसे पीड़ित व्यक्ति को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने का वैधानिक अधिकार प्राप्त है। वह पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराकर आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई कर सकता है। कई बार यह भी देखने में आता है कि किसी की संपत्ति को अपनी बताकर कोई व्यक्ति बेच देता है अर्थात अमानत में खयानत करता है तो धारा 406 के तहत आरोपित के खिलाफ एफआइआर दर्ज करवाई जा सकती है। अमानत में खयानत का मतलब अमानत में खयानत का मतलब यह होता है कि आपने किसी व्यक्ति को संपत्ति उपयोग करने के लिए दी और उस व्यक्ति ने संपत्ति को अपना बताकर उसकी अफरा-तफरी कर दी। कई बार यह भी देखने में आता है कि संपत्ति के मालिक को यह पता ही नहीं होता कि उसकी संपत्ति के नकली दस्तावेज तैयार करवाकर उसकी संपत्ति बाजार में बेच दी गई है। उसे बाद में पता चलता है कि मेरी संपत्ति के नकली दस्तावेज बनाकर उसे धोखाधड़ी करते हुए बेच दिया गया है। ऐसी स्थिति में भारतीय दंड संहिता की

धारा 467, 468, 471 के तहत पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। भारतीय दंड संहिता में किसी की संपत्ति को धोखाधड़ी से प्राप्त करने को गंभीर अपराध माना गया है। यहां तक कि नकली दस्तावेज पर संपत्ति का विक्रय करना या संपत्ति अपने नाम करने पर आजीवन कारावास तक का प्रविधान है। इन धाराओं में दर्ज केस की सुनवाई जिला एवं सत्र न्यायाधीश स्तर के न्यायालय द्वारा की जाती है। इन प्रकरणों में जिला एवं सत्र न्यायालयों में सुनवाई की वजह से शीघ्र सुनवाई संभव हो जाती है। एक ओर आपराधिक विधि में उपरोक्त सभी प्रविधान शामिल हैं, लेकिन सिविल प्रक्रिया संहिता में भी पीड़ित व्यक्ति अपनी संपत्ति का कब्जा प्राप्त करने के लिए सिविल न्यायालयों में वाद प्रस्तुत कर सकता है। सिविल प्रक्रिया संहिता में भी संशोधन करके प्रकरण को शीघ्र निपटाने के लिए तीन वर्ष की समयावधि नियत की गई है। वह समय गया जब न्यायालयों में कई-कई दशक तक प्रकरण चला करते थे।

खुद के पैरों पर खड़ी हुई निर्मला अब अन्य महिलाओं को बना रहीं आत्मनिर्भर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। कुछ वर्षों पहले तक निर्मला खराड़ी बमुश्किल आजीविका चला रही थीं। दिनभर काम करने के बाद भी पति-पत्नी को दो वक्त की रोटी मुश्किल से नसीब हो रही थी, लेकिन एक फैसले से निर्मला ने खुद के जीवन को तो बदला ही, इसके साथ आसपास के गांवों की 70 से अधिक महिलाओं को भी आत्मनिर्भर किया। बदलाव की बयार का यह किस्सा इंदौर जिले के छोटे से गांव जोशी गुराड़िया का है।निर्मला खराड़ी वर्तमान में बांस के उत्पाद तैयार कर आजीविका चला रही हैं। इसके साथ सब्जी उत्पादन कर आमदनी में इजाफा कर रही हैं। निर्मला ने बताया कि पहले मजदूरी कर दो वक्त की रोटी ही मुश्किल से नसीब होती थी। 2021 में आजीविका मिशन के तहत बनने वाले स्वसहायता समूह के बारे में बता चला। एक समूह में जुड़ी और बांस के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद आजीविका मिशन और बैंक से दो लाख रुपये का लोन मिला और खुद का काम शुरू कर दिया। बांस के उत्पाद से हो रही कमाई निर्मला ने ऋण से बांस के उत्पाद जिसमें

टोकनी, सूपड़ा, बास्केट सहित अन्य चीजें बनाना और विक्रय करना शुरू किया। शुरुआत में उत्पाद बेचने में दिक्कत आई, लेकिन कुछ समय बाद ही उत्पाद अच्छे दाम पर बिकने लगे। कई प्रदर्शनी और मेलों में स्टाल भी लगाए। ऋण के बचे हुए रुपयों से सब्जी का उत्पादन शुरू किया है। सब्जी उत्पादन से भी अतिरिक्त आय हो रही है। आसपास के गांव की महिलाओं का जीवन बदला निर्मला ने खुद का काम शुरू करने के साथ ही आसपास की महिलाओं को जोड़कर दो समूह बनाए और महिलाओं को उनकी रुचि के अनुसार खिलौना बनाना, मसाला बनाना, सिलाई, बांस उत्पाद आदि की ट्रेनिंग दिलवाई। फिर लोन दिलाकर सभी का खुद का रोजगार शुरू कर करवाया। चोरल सहित अन्य आदिवासी गांवों में भी 70 से अधिक महिलाओं को खुद के पैर पर खड़े होने में मदद की।

सैकड़ों महिलाओं ने बदला जीवन आजीविका मिशन की सहायक विकासखंड प्रबंधक आरती सिंह ने बताया कि मिशन द्वारा चलाए जा रहे स्वसहायता समूह में जुड़कर महिलाएं जीवन बदल रही हैं। कई महिलाओं ने पहले खुद ट्रेनिंग लेकर जीवन सुधारा। अब अन्य महिलाओं को ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बना रही हैं।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इंदौर में 45 किमी दूर बना दिया परीक्षा केंद्र

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं में कई परीक्षार्थियों को 45 किमी दूर परीक्षा देने जाना पड़ेगा। इस बार नौ परीक्षा केंद्र बनाएं गए हैं, जिनमें से अधिकांश शहरी क्षेत्र में बने हुए हैं। ग्रामीण अंचल के प्रायवेट फार्म भरने वाले परीक्षार्थियों को अपने गांव से कई किमी दूर परीक्षा देने आना होगा। इधर माशिम ने इस बार परीक्षा समय को लेकर सख्ती बरती है और परीक्षार्थी को एक घंटे पहले यानी कि सुबह 8 बजे तक परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा।बोर्ड परीक्षा में प्रायवेट फार्म भरने वाले परीक्षार्थियों इस बार जिला मुख्यालय में बने परीक्षा

केंद्रों पर परीक्षा देने जाना पड़ेगा। कुशलगढ़ निवासी एक परीक्षार्थी का सेंटर नवीन मालव कन्या उमावि बनाया गया है। उन्हें 45 किमी दूर से आना होगा। इसी तरह पीथमपुर के एक परीक्षार्थी को 34 किमी दूर नंदानगर उमावि स्कूल आना होगा। इसी तरह महूगांव से एक परीक्षार्थी का परीक्षा केंद्र 24 किमी दूर नवीन मालव कन्या उमावि बनाया गया है। परीक्षार्थियों को सुबह 8 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचना पड़ेगा और 9 बजे से परीक्षाएं शुरू होंगी। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि प्रायवेट परीक्षार्थियों के लिए दूरी का दायरा तय नहीं है। जिला मुख्यालय पर ही नौ परीक्षा केंद्र प्रायवेट परीक्षार्थियों के लिए बनाए गए हैं। यहां पर जिलेभर से प्रायवेट परीक्षार्थी परीक्षा देने आएंगे। नियमित परीक्षार्थियों के केंद्र पर प्रायवेट परीक्षार्थी नहीं बैठ पाएंगे।

इंदौर में केबल कार चलाने की कवायद एक बार फिर से हुई शुरू

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) के संचालक मंडल की बैठक बुधवार को हुई। इसमें महू नाका, बाणगंगा और मरीमाता चौराहा पर फ्लाईओवर निर्माण के लिए 164 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।आइडीए संचालक मंडल की बैठक में बुधवार को 320 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। महू नाका चौराहा पर फ्लाईओवर निर्माण के लिए 81.30 करोड़ रुपये, मरीमाता चौराहा पर 44 करोड़ रुपये और बड़ा गणपति चौराहा पर फ्लाईओवर के लिए 38.50 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी। आइडीए अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने बताया कि विधायक मधु वर्मा ने रिंग रोड पर राजीव गांधी चौराहा से सब्जी मंडी चौराहा तक फ्लाईओवर बनाने के लिए पत्र भेजा था। इसके लिए फिजिबिलिटी सर्वे कराया जाएगा। इंदौर रीजनल डेवलपमेंट प्लान की कार्य योजना के लिए निविदा के माध्यम से कंसलटेंट की नियुक्ति की जाएगी। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह, निगमायुक्त हर्षिका सिंह, वन मंडलाधिकारी महेंद्र सिंह सोलंकी, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के संयुक्त संचालक शुभाशीष बेनर्जी, पीएचई विभाग के अधीक्षक यंत्री अजय श्रीवास्तव और आइडीए सीईओ आरपी अहिरवार आदि मौजूद थे।

मध्य प्रदेश के पर्यटन का प्राण बना इंदौर, कुल पर्यटन में अकेले इंदौर की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। यूं तो इंदौर मध्य प्रदेश का सबसे धनाढ्य, तेजतर्रार और रहने के लिए सबसे श्रेष्ठ शहर है, किंतु अब पर्यटन पर जाने और खर्च करने के मामले में भी इंदौरी पीछे नहीं हैं। दरअसल, प्रदेश के कुल पर्यटन में अकेले इंदौर की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत है। इंदौरियों में अब एक बदलाव और देखने को मिल रहा है कि वे अब राजस्थान, गुजरात या अन्य राज्यों में घूमने जाने के बजाय पहली प्राथमिकता मध्य प्रदेश के ही अनएक्सप्लोर क्षेत्रों को दे रहे हैं। इसका लाभ यह हो रहा है कि राज्य का धन राज्य में ही खर्च हो रहा है। आज राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर इंदौर के बदलते पर्यटन सिनेरियो की पड़ताल।प्रदेश के पर्यटन स्थलों की सैर करने वालों में अब इंदौरियों की सहभागिता तेजी से बढ़ने लगी है। एक वक्त था जब इंदौरी अपनी छुट्टियां प्रदेश के बाहर जाकर मनाना पसंद करते थे, किंतु अब इंदौरियों की पसंद में शहर के आसपास के पर्यटन स्थल ज्यादा शामिल हो रहे हैं। यहां के पर्यटक, विशेषकर युवा ऐसे स्थानों पर जाना पसंद कर रहे हैं, जहां जाकर वे एक-दो दिन में ही लौटकर वापस काम पर आ सकें। इससे पर्यटन भी हो जाता है और काम भी होता रहता है। इन स्थानों के प्रति जाने वालों की न केवल संख्या बढ़ी है बल्कि उन स्थानों पर पर्यटकों के लिए सुविधा और उनके मनोरंजन के लिए गतिविधियां भी बढ़ी हैं। बीते करीब डेढ़ वर्ष में स्थानीय पर्यटन स्थलों पर इंदौर के सैलानियों की संख्या में 30 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। बदली जीवनशैली, फाइव डेज वर्किंग (सप्ताह में केवल पांच दिन काम), निजी वाहनों की बढ़ी संख्या और पर्यटक स्थलों पर बेहतर होती सुविधाओं के चलते लोग दूर जाने से पहले आसपास के पर्यटक स्थलों की सैर करना पसंद करने लगे हैं। स्थानीय पर्यटन स्थलों में इंदौरी जिन स्थानों पर सबसे ज्यादा जा रहे हैं उनमें पचमढ़ी, मांडू, महेश्वर, हनुवंतिया जैसे चिर-परिचित स्थान तो हैं ही, किंतु अब गांधीसागर, केरवा डेम, पातालपानी, मढ़ई और रातीबड़ जैसे स्थान भी खासे पसंद किए जा रहे हैं। स्थिति यह है कि चिर-परिचित स्थान को चुनने से पहले इंदौर के घुमंतू उन स्थानों की पूछपरख कर रहे हैं, जिनके बारे में कम ही लोग जानते हैं। टेंट सिटी, गांधीसागर की पूछपरख बढ़ी मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के श्याम तिवारी बताते हैं- आइटी सहित अन्य इंडस्ट्री में कार्य करने वाले युवा ऐसे स्थानों पर जाना पसंद कर रहे हैं जिनके बारे में कम ही लोग जानते हों और जहां एक या दो दिन में जाकर आया जा सके। पचमढ़ी पहुंचने वाले कुल पर्यटकों में से करीब 30 प्रतिशत पर्यटक प्रदेश के ही रहते हैं। इनमें भी करीब 25 प्रतिशत तो इंदौर के होते हैं। इसके अलावा हनुवंतिया और गांधीसागर जाने वाले इंदौरी पर्यटकों की संख्या भी करीब 40 प्रतिशत है। वर्तमान में जाम गेट के समीप गांवों में बनने वाली टेंट सिटी, पातालपानी और गांधीसागर के प्रति पूछपरख बढ़ी है। ये ऐसे स्थान हैं जहां अब निजी एजेंसियों द्वारा भी सुविधाएं प्रदान की जाने लगी हैं। बाहर के पर्यटक भी हो रहे आकर्षित ट्रेवल एजेंट्स एसोसिएशन आफ मप्र व छत्तीसगढ़ के चैप्टर चेयरमैन हेमेंद्र सिंह जादौन के अनुसार इंदौर के आसपास के पर्यटक स्थलों पर जाने वालों में युवाओं की संख्या सर्वाधिक है। युवा समूह में यहां जाना पसंद कर रहे हैं। परिणाम यह है कि सप्ताह के अंत में या जब दो दिन का अवकाश हो, तब तो शहर के आसपास के पर्यटक स्थलों पर कमरे मिलना मुश्किल हो जाता है। महाकाल कारीडोर और ओंकारेश्वर में आदिगुरु शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापित होने के बाद से इन दोनों स्थानों पर दर्शन के लिए बाहर से आने वाले पर्यटक इंदौर के आसपास के पर्यटक स्थलों की सैर करने में भी रुचि ले रहे हैं।

मप्र के 25 शहरों में 10 डिग्री से नीचे रहा रात का पारा

कड़ाके की ठंड से अब मिल सकती है राहत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों पर बने जेट स्ट्रीम के साथ ही हवाओं का रुख उत्तरी रहने से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। बुधवार को सबसे कम 3.9 डिग्री सेल्सियस तापमान सतना में दर्ज किया गया। सतना के अलावा नौगांव में शीतलहर चली। प्रदेश के 25 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। राजधानी में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। साथ ही मंगलवार के न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस से दो डिग्री कम रहा।इसके पहले 21 जनवरी को भी राजधानी का न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ था। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 4.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा। ग्वालियर, चंबल, रीवा एवं सागर संभाग के जिलों में घना कोहरा बना रहा।

ग्वालियर में दृश्यता 50 मीटर से कम रही। रीवा एवं खजुराहो में दृश्यता 50 मीटर के आसपास रही। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक गुरुवार से कड़ाके की ठंड से कुछ राहत मिलने की संभावना है। पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान काफी कम मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान काफी कम बने हुए हैं। वर्तमान में उत्तर भारत की तरफ से लगातार आ रही सर्द हवाओं के कारण मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हालांकि, गुरुवार को एक पश्चिमी विक्षोम उत्तर भारत में पहुंचने वाला है। उसके प्रभाव से हवाओं का रुख बदलने से कड़ाके की ठंड से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। एक सप्ताह से पूरे प्रदेश में कड़ाके की ठंड मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि एक सप्ताह से पूरे प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दरअसल उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्र में 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर वेस्टर्न जेट स्ट्रीम (पश्चिम से पूर्व की तरफ तीव्र गति से चल रही हवाओं का समूह) सक्रिय है। 300 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं इसमें लगभग 300 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। जेट स्ट्रीम की खासियत होती है कि वह मौजूदा मौसम के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। यही वजह से है कि कड़ाके की सर्दी लगातार बनी हुई है। हालांकि वर्तमान में हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी बना हुआ है। इस वजह से गुरुवार को भी मौसम का इस तरह का मिजाज अभी बना रहने की संभावना है। हालांकि रात एवं दिन के तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने लगेगी।

जीपी बिड़ला संग्रहालय में रामायण के कथानकों पर केंद्रित आठ दिवसीय चित्र प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। गुरुवार 25 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। रामायण चित्र प्रदर्शनी- जीपी बिड़ला संग्रहालय में रामायण के कथानकों पर केंद्रित आठ दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी को सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक देखा जा सकता है।छायाचित्र प्रदर्शनी- राज्य संग्रहालय में राम विश्व पटल पर छायाचित्र प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। आगंतुक सुबह 10-30 बजे से शाम 5-30 बजे के बीच रामचंद्र भगवान के

छायाचित्रों को देख सकेंगे। माह का प्रादर्श टेराकोटा पात्र- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के अंतरंग प्रदर्शनी भवन वीथी संकुल में माह का प्रादर्श टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस- राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर राज्यपाल मंगु भाई पटेल विधानसभा चुनाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रिटर्निंग अधिकारी मनीष जैन समेत अन्य अधिकारियों को पुरस्कृत करेंगे।समारोह सुबह 11 बजे से आरंभ होगा। चित्रों की प्रदर्शनी- मप्र जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा प्रदर्शनी दीर्घा में भील समुदाय के चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है।प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से देखा जा सकता है।

पांच कलेक्टर समेत चुनाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले होंगे सम्मानित

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश के सभी 64 हजार 523 मतदान केंद्रों पर गुरुवार को 14वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में राज्यपाल मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में होगा। इसमें पांच कलेक्टर समेत चुनाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। सभी शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों और शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदान की शपथ दिलाई जाएगी। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण और विधानसभा निर्वाचन 2023 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलेक्टर क्षितिज सिंघल सिवनी, अंकित अस्थाना मुरैना, डा. सलोनी सिडाना

मंडला, बुद्धेश कुमार वैद्य उमरिया और धार कलेक्टर प्रियांक मिश्र को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तपस्या परिहार छतरपुर, दिव्यांक सिंह स्मार्ट सिटी इंदौर, रेखा राठौर झाबुआ, पीसी शर्मा सागर, ऋतुराज भोपाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक शहडोल डीसी सागर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डा. शालिनी श्रीवास्तव रतलाम, संजीव साहू नीमच और राजकुमार खत्री भिंड, रिटर्निंग अधिकारी मनीष जैन सैलाना, हेमकर्ण धुर्वे अमरवाड़ा के साथ

450 वर्गफीट तक के निर्माण के लिए 24 घंटे में जारी होगी भवन अनुज्ञा

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश में अब 450 वर्गफीट तक के भूखंड पर भवन निर्माण करना आसान होगा। इसकी भवन अनुज्ञा की अनुमति 24 घंटे के अंदर जारी की जाएगी। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संचालनालय में औचक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। अब अधिकारी इसकी कार्य योजना बनाएंगे, इसके बाद इसे लागू किया जाएगा। नगरीय विकास संचालनालय का निरीक्षण करते हुए विजयवर्गीय ने सभी विभागों और अधिकारियों की जानकारी ली। साथ ही सभी कार्यालयों में जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों को तय समयसीमा में और गुणवत्तापूर्ण काम करने की

नसीहत दी। जब उन्होंने अमृत योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति के बारे में पूछा तो अधिकारियों ने बताया कि अमृत एक के तहत 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। जबकि रीवा, सीधी और सतना समेत आधा दर्जन जिलों में काम अधूरा है। वहीं अमृत दो के तहत सीवेज, जलकार्य और वाटर वाडी से संबंधित 720 डीपीआर फायनल हो गई हैं। इनमें कुछ के टेंडर भी जारी हो गए हैं, जल्द ही इनमें काम शुरु होगा।कर्मचारियों की कमी होगी दूर मंत्री विजयवर्गीय से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त भरत यादव ने बताया कि कर्मचारियों की कमी की वजह से काम में देरी हो रही है। इस पर मंत्री ने संविदा और आउटसोर्स में कर्मचारियों को रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के बारे में मंत्री को बताया गया कि पार्षदों का प्रशिक्षण जिला स्तर पर, जबकि नगर पंचायत व नगर पालिका के अध्यक्षों को संचालनालय में प्रशिक्षण दिया गया है। मंत्री ने अधिकारियों से पूछा कि कितने संजीवनी क्लीनिक संचालित हो रहे हैं। इस पर अधिकारियों ने बताया कि 260 संजीवनी क्लीनिक बनाए गए हैं, लेकिन इनमें 224 का ही संचालन किया जा रहा है। इसका कारण अधिकारियों ने बताया कि हमारा काम निर्माण करना है, लेकिन इसके संचालन का जिम्मा स्वास्थ्य विभाग का है।

पिकअप वाहन की टक्कर से बीफार्मा के छात्र की मौत, साथी की हालत गंभीर

सिटी चीफ भोपाल।

ईदगाह हिल्स इलाके में मंगलवार रात पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी घायल हो गए। उनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। मृत युवक बीफार्मा तृतीय वर्ष का छात्र था। पुलिस घटनास्थल क्षेत्र में लगे सीसीटीवी के फुटेज देखकर पिकअप वाहन के बारे में सुराग जुटा रही है। शाहजहांनाबाद थाना पुलिस के मुताबिक मूलत- आगर मालवा का रहने वाला 21 वर्षीय अभिषेक गुर्जर बीफार्मा का छात्र था। वह

लालघाटी स्थित बिट्ठल नगर में किराए के घर में रहता था। मंगलवार रात को अभिषेक अपने दोस्त केशवसेन के साथ दूसरे दोस्त प्रवेश को छोड़ने उसके घर इब्राहिमगंज जा रहा था। बाइक केशव चला रहा था। तीनों कैंसर अस्पताल के पास से गुजर रहे थे, तभी सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में तीनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों ने तीनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां चेक करने के बाद डाक्टर ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। केशव की हालत भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस दुर्घटना के बाद भागे वाहन की तलाश कर रही है।

मुख्यमंत्री मप्र सिविल सेवा के लिए चयनित 686 अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र देंगे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश सिविल सेवा के वर्ष 2019 और 2020 के लिए चयनित 686 अभ्यर्थियों को गुरुवार को रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव नियुक्ति पत्र देंगे। इस अवसर पर सुशासन की प्रक्रियाओं पर संवाद भी होगा। नवागत अधिकारियों को गुड गवर्नेंस, सतत विकास का लक्ष्य एवं सरकार के विजन से अवगत कराया जाएगा।सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों में 187 अनारक्षित, 157 अन्य पिछड़ा वर्ग, 110 अनुसूचित जाति, 150 अनुसूचित जनजाति एवं 82 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थी हैं। कार्यक्रम में प्रदेश की विगत 20 वर्षों की प्रगति यात्रा एवं प्रमुख सामाजिक एवं आर्थिक

संकेतकों का प्रस्तुतीकरण होगा। सुशासन के आयाम, गुड गर्वनेंस के साथ टेक्नोलाजी इन गवर्नेंस, सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य तकनीकी इंटरवेंशन के विषय पर भी उद्बोधन होगा। इन विभागों में होंगे पदस्थ नवनियुक्त अधिकारी वाणिज्यिक कर, पंजीयन, आबकारी, वित्त, कार्मिक, राजस्व, स्कूल शिक्षा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, गृह, नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम, जनसंपर्क, जनजातीय कार्य, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति , सहकारिता और जेल विभाग में पदस्थ होंगे।

भरत का त्याग, हनुमान जी का समर्पण, प्रभु राम केस्नेह प्रसंग के साथ दिव्य राम कथा का विश्राम

सिटी चीफ भोपाल।

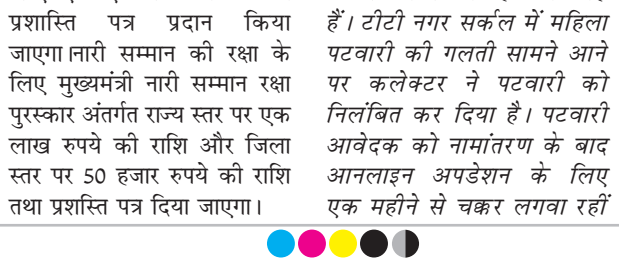

मां दुर्गा धाम शक्तिपीठ मंदिर में 16 जनवरी से शुरू हुआ श्री विराट शक्ति महायज्ञ का बुधवार को नौ हवन कुंडों में आहुतियां देकर समापन हुआ। इस नौ दिनी अनुष्ठान में भ्राता भरतजी का त्याग भक्त हनुमानजी का समर्पण और प्रभु श्रीराम के स्नेह प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। मंदिर समिति के प्रवक्ता अनिल ठाकुर ने बताया कि बुधवार को वैदिक विद्वान मुख्य यज्ञ आचार्य युगल किशोर शास्त्री द्वारा भक्तगणों से मानव कल्याण धर्म की स्थापना, प्राणियों में सद्भावना आदि की

कामनाओं की आहुतियां डलवाईं। शाम साढ़े छह बजे पूर्णाहुति हुई। राष्ट्रीय शीतल संत रामदास जी महाराज द्वारा रात 10 बजे राम कथा का विश्राम किया। उन्होंने करते हुए अमृत वचनों में कहा हम धन्य है कि भारत भूमि में धर्म और कल्याण मोक्ष त्याग आदि के लिए देवताओं के अवतारों ने जन्म लिया। हम भी इस पावन धरा पर जन्म लेकर गौरवशाली है। उससे ज्यादा गौरवशाली यह वर्ष 2024 है। इसमें अयोध्या में प्रभु राम के मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य राम कथा में भाई भरत का त्याग, हनुमान जी की सेवा, लक्ष्मण का धर्म, प्रभु राम का प्रेम हमें हमारे परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध कराता है। त्याग, प्रेम और सेवा इससे हम अपना परिवार सुखी संपन्न कर सकते हैं। कथा विश्राम के समय मुख्य रूप से उपस्थित होने वालों में पप्पू राय, फूलचंद गुप्ता, वीके पांडे, सुंदरलाल पटेल, अवधेश पांडे, राजेश चौहान, शुभम मालवीय, राघव गुप्ता, लोकेंद्र डोडिया, विजय श्रोती, मोहनलाल यादव, सत्यनारायण गुप्ता, लाल बाबा, वेदांत तिवारी, बाल गोविंद पांडे आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने गर्भगृह की दहलीज से किए भगवान महाकाल के दर्शन

उज्जैन। उज्जैन प्रवास पर आए मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव परिवारिक विवाह समारोह की व्यवस्तता के बावजूद समय निकालकर महाकाल मंदिर में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन तथा शहर में साधु संतों से मिलने पहुंचे। आश्रमों में संतों ने सीएम का सत्कार कर सफल व यशस्वी जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया।ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में मुख्यमंत्री ने गर्भगृह की दहलीज से भगवान महाकाल की पूजा अर्चना की। पश्चात नंदी हाल में बैठकर ध्यान लगाया। इसके बाद सभा मंडप स्थित भगवान वीरभद्र का पूजन किया। उन्होंने मंदिर में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने निर्माण कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में सिंहस्थ महापर्व है। ऐसे में श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन व्यवस्था के इंतजाम होने चाहिएं।चल रहे निर्माण कार्यों में सिंहस्थ से संबंधित कार्यों को भी शामिल किया जाए तथा उन कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में पूरा किया जाए। इससे पूर्व मुख्यमंत्री शिप्रा तट स्थित दत्त अखाड़ा पहुंचे तथा श्री सुंदरपुरी महाराज से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुंदरपुरी महाराज ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आपने शिप्रा शुद्धिकरण का बीड़ा उठाया है, अब चिंता की बात नहीं है आप सभी कार्य सुगमता से कर लेंगे। यहां से मुख्यमंत्री श्री हनुमंत आश्रम पहुंचे।यहां उन्होंने श्री हजारी हनुमान मंदिर में दर्शन कर गो सेवा की।इसके बाद मुख्यमंत्री चिंतामन रोड स्थित श्री राजराजेश्वरी आश्रम पहुंचे तथा आचार्य शेखरजी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम के वेदपाठी बटुकों ने वैदिक मंत्रोच्चार से मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

महिला बाल विकास के राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन करने का आज अंतिम मौका

सिटी चीफ भोपाल।

महिला-बाल विकास विभाग द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए समाज सेवा, महिला सुरक्षा के लिए वीरता तथा साहसिक कार्यों के लिए व्यक्तिगत/ संस्थागत और सामाजिक कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए छह राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाते है। विभाग ने वर्ष 2023 के इन पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे जिसकी आखिरी तारीख 25 जनवरी तय की गई थी। ऐसे में आज उम्मीदवारों के पास अंतिम अवसर है।राज्य स्तरीय पुरस्कारों में रानी अवंती बाई वीरता पुरस्कार के अंतर्गत वीरता के लिए एक लाख रुपये की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। समाज सेवा के लिए राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार, संस्था अथवा व्यक्ति द्वारा समाज सेवा के लिए विष्णु कुमार पुरस्कार के लिए एक-एक लाख रुपये और प्रशास्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।नारी सम्मान की रक्षा के लिए मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार अंतर्गत राज्य स्तर पर एक लाख रुपये की राशि और जिला स्तर पर 50 हजार रुपये की राशि तथा प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

एक महीने में नहीं किया नामांतरण, कलेक्टर ने पटवारी को किया निलंबित

सिटी चीफ भोपाल।

जिले की तहसीलों में लंबित राजस्व प्रकरण सीमांकन, नामांतरण बंटान आदि का समय पर निराकरण करने के निर्देश संभागायुक्त डा. पवन कुमार शर्मा द्वारा दिए गए हैं। इसके बाद भी पटवारी काम को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। टीटी नगर सर्कल में महिला पटवारी की गलती सामने आने पर कलेक्टर ने पटवारी को निलंबित कर दिया है। पटवारी आवेदक को नामांतरण के बाद आनलाइन अपडेशन के लिए एक महीने से चक्कर लगवा रहीं

थीं।जानकारी के अनुसार टीटीनगर सर्कल में पदस्थ पटवारी अनुराधा पटेल ने एक आवेदक को नामांतरण के बाद आनलाइन अपडेशन के लिए एक महीने तक परेशान किया। पीड़ित ने इसकी शिकायत एडीएम हरेंद्र नारायण से की तो उन्होंने तहसीलदार से जांच कराई। जांच में पता चला कि पटवारी ने 15 अन्य मामलों में समय पर रिपोर्ट नहीं लगाई है। जिसके आधार पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने पटवारी को निलंबित कर दिया है। दरअसल आवेदक वीरेंद्र मेवाड़ा ने शिकायत में बताया कि ग्राम बरखेड़ी कलां की पटवारी अनुराधा पटेल ने नामांतरण होने के बाद राजस्व रिकार्ड में अमल नहीं किया है।

संपादकीय

भारत को मिले जगह

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत को एक बार फिर रेखांकित करते हुए कहा कि संस्थानों में आज की दुनिया की हकीकत झलकनी चाहिए न कि 80 साल पहले की। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स (पहले ट्विटर) पर यह बात लिखी थी। इसमें उन्होंने साउथ अफ्रीका को स्थायी सदस्यता नहीं मिलने का जिक्र किया था। लेकिन टेस्ला कंपनी के संस्थापक इलॉन मस्क ने इसे नया संदर्भ देते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता नहीं मिली है, जो ठीक नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का गठन द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की स्थितियों में हुआ था। यह आज तक 80 साल पहले के उसी शक्ति समीकरण की नुमाइंदगी कर रहा है। इस बीच हालात में जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। अगर सुरक्षा परिषद के वीटो पावर से लैस पांच स्थायी सदस्य राष्ट्रों पर ही नजर डाल ली जाए तो आज का ब्रिटेन उस समय के ब्रिटेन की छाया मात्र रह गया है। रूस को लीजिए तो इसे सुरक्षा परिषद में सोवियत संघ की जगह भले दे दी गई हो, शक्ति और प्रभाव में उसका सोवियत संघ से कोई मुकाबला नहीं। भारत के रूप में अगर दुनिया का सबसे बड़ी आबादी और पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश इससे बाहर है तो साउथ अफ्रीका को स्थायी सदस्यता न मिलना भौगोलिक पूर्वाग्रह दर्शाता है। इसी तरह साउथ अमेरिका भी इससे वंचित है और यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी भी। इन असंगतियों का नतीजा यह हुआ है कि सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय संस्था के तौर पर प्रभावी भूमिका निभाने में लगातार नाकाम साबित हो रहा है। सभी स्थायी सदस्य राष्ट्र अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल अपने संकीर्ण हितों के लिए करते हैं। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र यूक्रेन और गाजा युद्ध रुकवाने में कोई भूमिका नहीं निभा पाया है। यह तय है कि जब भी सुरक्षा परिषद में सुधार का मसला अजेंडा पर आएगा, भारत की तगड़ी दावेदारी बनेगी। न केवल संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस बल्कि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस भी भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करते रहे हैं। लेकिन यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य राष्ट्र चीन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को हर हाल में रोकना चाहेगा।× हालांकि आज की बहुध्रुवीय दुनिया में त्20, क्वॉड, द्ब22 जैसे तमाम मंच हैं जो अंतरराष्ट्रीय मसलों को निपटाने में कहीं ज्यादा कारगर भूमिका निभा रहे हैं। इन तमाम मंचों पर भारत अहम प्लेयर के रूप में मौजूद है। लेकिन अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को प्रासंगिक बनाना है तो उसमें भारत जैसे देशों को समुचित जगह मिलनी चाहिए।

निदानः खाद्य सुरक्षा की दिशा में समाज, सरकार और बाजार का एक साथ आना जरूरी

भारत ने अपनी खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खाद्य सब्सिडी पर अगले पांच वर्षों में लगभग 12 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का फैसला किया है। खाद्यान्न उपलब्धता की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण है। पर भारत के सामने पोषण की चुनौती दोहरी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, 2019-21 बताता है कि एक तरफ 35 फीसदी बच्चे अविकसित, 57 फीसदी महिलाएं और 25 फीसदी पुरुष एनीमिया से पीड़ित हैं, दूसरी ओर असंतुलित आहार और आलसी जीवनशैली के कारण 24 फीसदी वयस्क महिला और 23 फीसदी वयस्क पुरुष मोटापे का सामना कर रहे हैं। इसके साथ बदलती जलवायु, लगातार घटते भूजल, और मिट्टी का गिरता उपजाऊपन जैसी चुनौतियां हमारी खाद्य सुरक्षा को संकट में डाल सकती हैं। ऐसे में, देश की खाद्य प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण कारकों-समाज, सरकार और बाजार-का एक साथ आना बहुत जरूरी है। खाद्य सामग्रियों के उपयोगकर्ता नागरिक, उत्पादनकर्ता किसान और इनकी मदद करने वाली सिविल सोसाइटी, ये तीनों मिलकर खाद्य प्रणाली के संदर्भ में एक समाज तैयार करते हैं। उपभोक्ता के रूप में नागरिकों को बाजार से अपने खान-पान की सामग्री खरीदने और इस्तेमाल करने के ज्यादा सतर्क विकल्प चुनने चाहिए। जब नागरिक खान-पान के लिए बेहतर विकल्प चुनते हैं, तब यह किसानों और बाजार को उपयुक्त फसलें उगाने और उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे ही, किसानों को भी मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखने के लिए उर्वरकों और कीटनाशकों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर ध्यान देना चाहिए। सतत कृषि पर काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायनरमेंट ऐंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) का अध्ययन बताता है कि किसानों को जैविक मल्चिंग और 365 दिनों तक आच्छादित रहने वाली खेती जैसी कृषि पद्धतियों को अपनाना चाहिए। ये मिट्टी की सेहत सुधारने और उसमें लचीलापन बढ़ाने के अलावा पानी और अन्य कृषि सामग्री की खपत घटाने और किसान का मुनाफा बढ़ाने में सहायक हैं। खाद्य प्रणाली को सेहतमंद बनाने और सतत परिणामों की तरफ ले जाने के लिए, केंद्र और राज्य सरकारों को मिड डे मील, आंगनबाड़ी, सामुदायिक रसोई जैसी सेवाओं और रेलवे जैसे विभागों के लिए सतत पद्धतियों से स्थानीय स्तर पर उत्पादित पौष्टिक अनाज और दाल खरीदने की शुरुआत करनी चाहिए। जैसे राजस्थान में बाजरा या छत्तीसगढ़ में राजगीरा की खरीद होती है। बच्चों की खाद्य सामग्री के लिए विशेष सख्त नियम होने चाहिए। साथ ही, सरकारों को किसानों की मदद के लिए नए तरीके विकसित करने चाहिए। जैसे किसानों को सब्सिडी पर उर्वरक देने की जगह पर प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य जमीन के आधार पर कृषि सामग्री के लिए नकद सहायता दी जा सकती है। एक सतत खाद्य प्रणाली बनाने में बाजार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। कारोबार को यह समझने की जरूरत है कि अगर वे सतत और पुनरुत्पादक कृषि पद्धतियों को लोकप्रिय बनाने में किसानों के साथ मिलकर काम नहीं करेंगे, तो उनके सामने कच्चे माल की उपलब्धता बाधित होने का जोखिम बना रहेगा। इसके अलावा, उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को पौष्टिक और सतत उपभोग की तरफ मोड़ने में कंपनियों की भी बड़ी भूमिका है। जब तक स्थानीय दुकानों पर सेहतमंद खाद्य सामग्री के विकल्प उपलब्ध नहीं होंगे, कोई उपभोक्ता चाहकर भी इनका इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। जैसे, कंपनियों को चीनी और मैदे से भरे ग्लूकोज बिस्कुट की जगह मोटे अनाज से बने बिस्कुट को प्रोत्साहित करना चाहिए। खाद, बीज और कीटनाशक जैसी कृषि सामग्रियों से जुड़ी कंपनियों के सामने भी अपने बिजनेस मॉडल में धीरे-धीरे बदलाव लाने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, उन्हें बाजार में सिर्फ उर्वरक बेचने की जगह पर उसके इस्तेमाल करने की सेवा भी उपलब्ध करानी चाहिए। इस मॉडल पर आंध्र प्रदेश में मिर्च की खेती से जुड़ा एक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) पहले से काम कर रहा है। अगर हमें एक स्वस्थ धरती पर अपने बच्चों के सेहतमंद भविष्य की परवाह है, तो इसके लिए समाज, सरकार और बाजार को एक साथ मिलकर काम करना होगा।

चिंता : अमीरों का क्लब बन गया है विश्व आर्थिक मंच

आम आदमी के लिए इसकी प्रासंगिकता सवालों के घेरे में

विगत 15 से 19 जनवरी के बीच विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) का सम्मेलन दावोस (स्विट्जरलैंड) में संपन्न हुआ, जिसमें आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी हस्तियों ने हिस्सा लिया। 60 देशों के शासनाध्यक्षों के अलावा कई बड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि, राजनेता, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुख और आर्थिक जगत के अनेकानेक प्रमुख इस सम्मेलन में दिखे। वर्ष 1971 में अस्तित्व में आए इस मंच पर पिछले लगभग 53 साल से व्यापार, भू-राजनीति, सुरक्षा, सहकार, ऊर्जा से लेकर पर्यावरण और प्रकृति समेत अनेक मुद्दों पर चर्चा होती रही है, लेकिन उसके पीछे बहुराष्ट्रीय कंपनियों का अपना एजेंडा होता है। इस वर्ष पांच दिन तक चले इस सम्मेलन में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई, उनका सामान्य जन से कोई खास सरोकार दिखाई नहीं देता। मसलन, एक सत्र में इस बात पर चर्चा हुई कि दुनिया में व्यापार और निवेश कथित रूप से कुशल साझेदारी के बजाय मित्रता के आधार पर हो रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इस्त्राइल-हमास युद्ध आदि स्थितियों के कारण उनके निवेश प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए उनमें चिंता व्याप्त है। इस मंच पर जिन 60 शासनाध्यक्षों ने भाग लिया, वे सभी वैश्विक भू-राजनीति में उथल-पुथल से चिंतित दिखे। बेशक उनकी चिंता वाजिब है, लेकिन आर्थिकी की चर्चा करते समय उनका ध्यान मुल्कों के बीच असमानताओं और दुनिया में गरीबी, निरक्षरता और बेरोजगारी की तरफ नहीं था। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर बात तो हुई, लेकिन समाधान के लिए वैश्विक नेताओं में कोई विशेष इच्छाशक्ति दिखाई नहीं दी। पिछले कई पर्यावरण सम्मेलनों से यह स्पष्ट हो रहा है कि आज पर्यावरण पर चर्चा से ज्यादा समाधान की जरूरत है। कई वर्ष पहले विकसित देशों ने वादा किया था कि वे पर्यावरण समस्या से निपटने के लिए हर वर्ष 100 अरब अमेरिकी डॉलर की सहायता देंगे। लेकिन वह सहायता दूर-दूर तक कहीं नजर नहीं आ रही। उसी तरह से बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी अपने पास उपलब्ध प्रौद्योगिकी बिना भारी शुल्क लिए साझा करने को तैयार नहीं हैं। जो लोग दावोस बैठक में हिस्सा लेने आए, उन्होंने बिगड़ते पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से तबाही की आशंकाओं पर चर्चा तो की, लेकिन विडंबना देखिए कि उनमें से अधिकांश अपने-अपने निजी विमान से आए। जाहिर है, उससे जितनी कार्बन का उत्सर्जन हुआ, उससे वे उदासीन थे। एक हजार बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा पोषित यह मंच अपने सम्मेलनों में हिस्सा लेने वालों से फीस के रूप में मोटी रकम वसूलता है, जिसका मतलब है कि इसे सर्वसमावेशी मंच नहीं कहा जा सकता है। इसे दुनिया की उन विशालकाय कंपनियों का ही मंच कहा जा सकता है, जिनके पैसे से इसका काम चलता है। यदि वास्तव में वे दुनिया के समक्ष मौजूद समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते, तो इसमें भाग लेने के लिए भारी-भरकम शुल्क की अनिवार्यता नहीं होती, बल्कि हाशिये पर खड़े समुदायों, पिछड़े समाजों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं और सामान्य लोगों को भी इसमें हिस्सेदारी के लिए आमंत्रित किया जाता। शासनाध्यक्षों, सरकारों में बड़े मंत्रियों और बड़ी कंपनियों के चहेते चुनिंदा बुद्धिजीवियों की उपस्थिति इन कंपनियों के एजेंडे को वैधता प्रदान करती है। ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां मानवता और विश्व कल्याण की चाहे कितनी भी बातें करें, इनका असली चेहरा इस सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान देखने को मिला, जब फाइजर कंपनी ने अप्रभावी वैक्सीन जान बूझकर दुनिया भर में बेची। कंपनी को भली-भांति मालूम था कि उनकी वैक्सीन प्रभावी नहीं है, उसके बावजूद वह अमेरिकी सरकार के जरिये भारत पर भी दबाव बना रही थी। पिछले वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम (2023) में जब पत्रकारों द्वारा फाइजर कंपनी के प्रमुख से इस बाबत पूछा गया, तो वह कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं हुए। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि 'गैट' समझौतों में अधिकांश समझौते बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में हुए। ट्रिप्स समझौते में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हित में न केवल दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों समेत सभी प्रकार के उत्पादों पर पेटेंट की अवधि बढ़ाई गई, बल्कि प्रक्रिया पेटेंट से उत्पाद पेटेंट की व्यवस्था भी लागू की गई, जिससे दुनिया के देशों में स्वास्थ्य सुरक्षा बाधित हुई। जब भारत की कैडिला कंपनी से दक्षिण अफ्रीका द्वारा दवाई खरीदने का उन कंपनियों ने विरोध किया, तो उन्हें जनता के रोष का सामना करना पड़ा। फिर डब्ल्यूटीओ ने कहा कि महामारी और आपातकालीन परिस्थितियों में पेटेंट अप्रभावी रहेंगे। लेकिन दुनिया ने देखा कि महामारी के बावजूद बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने पेटेंट अधिकारों को नहीं छोड़ा। यही नहीं, जब भारत और दक्षिण अफ्रीका के नेतृत्व में 100 से अधिक देशों ने ट्रिप्स काउंसिल के सामने ट्रिप्स से छूट का प्रस्ताव रखा, तो अपनी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में सभी विकसित देशों ने इसका विरोध किया। तमाम प्रयासों के बावजूद सिर्फ कोरोना वैक्सीन पर ही उन्होंने पेटेंट के अधिकार को छोड़ने का प्रस्ताव माना, लेकिन उसमें भी इतनी शर्तें जोड़ दी गईं, कि वह छूट लगभग निष्प्रभावी हो गई। समझना होगा कि वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों का ही एक मंच है, जिससे कुछ खास अपेक्षा नहीं की जा सकती। ऐसे मंचों से विश्व को सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि उनका वास्तविक एजेंडा पारदर्शी नहीं है। ऐसे मंचों पर जब आर्थिकी, व्यापार, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और यहां तक कि असमानताओं की चर्चा होती है, तो समझ लेना चाहिए कि इन चर्चाओं के माध्यम से बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने हित में वैश्विक एजेंडा चला रही हैं। विगत 19 जनवरी को अमेरिकी प्रतिनिधि स्कॉट पेरी (पीए-10) ने पांच अन्य लोगों के साथ मिलकर %डिफंड दावोस ऐक्ट' पेश करते हुए कहा, %अमेरिकी करदाताओं को द्वीपीय, वैश्विक अभिजात्य वर्ग की वार्षिक स्की रिसॉर्ट यात्राओं के लिए धन देने को मजबूर करना बेतुका है-निंदनीय तो छोड़ ही दें... विश्व आर्थिक मंच अमेरिकी फंडिंग के एक प्रतिशत के लायक भी नहीं है, और यह सही समय है, जब हम दावोस को निधि से वंचित कर रहे हैं।% साफ है कि अमेरिकी कांग्रेस भी अभिजात्य वर्ग का बताकर इसका विरोध कर रही है। आम आदमी के लिए अब इसकी प्रासंगिकता सवालों के घेरे में है।

प्राण प्रतिष्ठा होते ही करोड़पति हुए 5 साल के श्रीराम...

देश-दुनिया के भक्तों ने दान किए इतने करोड़

प्राण की प्रतिष्ठा होते ही पांच वर्ष के बालक राम करोड़पति हो गए। देश-दुनिया के भक्तों ने नव्य मंदिर में आराध्य के विराजमान होने की खुशी में 3.17 करोड़ रुपये की निधि समर्पित की। वैसे तो रामलला को हजारों करोड़ का दान और चढ़ावा मिला है, लेकिन ताजा घटनाक्रम में यह प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि इसके लिए श्रद्धालुओं को कठिन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंगलवार को नव्य मंदिर आम भक्तों के दर्शन के लिए खोला गया। इस दिन आराध्य की एक झलक पाने की कैसी आतुरता रही, इसे देश ही नहीं, पूरी दुनिया ने देखा। राम मंदिर में दर्शनार्थियों के उमड़ने के पिछले सभी रिकॉर्ड टूट गए। लाखों की भीड़ जुट जाने से दर्शन पाने के लिए श्रद्धालुओं को कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ा। इसके बावजूद भक्त अपने रामलला को चढ़ावा भेंट करने से पीछे नहीं हटे। जिस तरह उन्होंने दर्शन पाने के लिए कई मुश्किलों को झेला वैसे ही भारी भीड़ में दानराशि अर्पित करने के लिए जूझना पड़ा, फिर भी वे पीछे नहीं हटे। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भी भक्तों के रामलला के प्रति इस अगाध श्रद्धा को देख अभिभूत है। ट्रस्टी और प्राण प्रतिष्ठा में प्रमुख यजमान के दायित्व का निर्वहन करने वाले डॉ. अनिल मिश्र ने अमर उजाला को बताया कि मंगलवार को आया दान काफी महत्व रखता है। ऑनलाइन समर्पण निधि अर्पित करने के लिए रामभक्तों को परिश्रम करना पड़ा। इतनी ज्यादा भीड़ में भी वे धैर्य का परिचय देते हुए क्यूआर कोड को स्कैन कर अपनी निष्ठा का प्रदर्शन करना नहीं भूले।

रामलला के ठाठ निराले...
नवनिर्मित राममंदिर में %बालक राम राजकुमार की तरह विराजित हैं। उनकी सेवा एक राजकुमार की तरह की जा रही है। राजशाही अंदाज में ही रामलला सोना, चांदी, हीरा, मोती के आभूषणों से अलंकृत होकर भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। राममंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, रामलला के आभूषणों को अध्यात्म रामायण, रामायण, श्रीरामचरितमानस और आलवंदार स्त्रोत का अध्ययन करके तैयार कराया गया है। ये सारे आभूषण लखनऊ में तैयार कराए गए हैं। रामलला के वस्त्र दिल्ली के डिजाइनर मनीष त्रिपाठी ने तैयार किया है। आइए जानें रामलला के आभूषणों की खासियत।

काम कोटि छबिस्याम सरीरा। नील कंज बारिद गंभीरा
शीर्ष पर मुकुट या किरीट- यह उत्तर भारतीय परंपरा में स्वर्ण निर्मित है। 1700 ग्राम वजन है। इसमें 262 कैरेट के माणिक्य, 135 कैरेट के पन्ना और 75 कैरेट के हीरे अलंकृत हैं। मुकुट के ठीक मध्य में भगवान सूर्य अंकित हैं। मुकुट के दायीं ओर मोतियों की लड़ियां पिरोई गई हैं।

कुंडल - भगवान के कर्ण आभूषण को कुंडल कहते हैं। कुंडल में मयूर आकृतियां बनी हैं। ये भी सोने, हीरे, माणिक्य और पन्ने से निर्मित हैं।

कंठा - गले में अर्द्ध चंद्राकार रत्नों से जड़ित कंठा सुशोभित है, जिसमें पुष्प अंकित हैं। मध्य में सूर्य देव बने हैं। सोने से बना हुआ यह कंठा हीरे, माणिक्य और पन्नों से जड़ा है। कंठ के नीचे पन्ने की लड़ियां लगाई गई हैं।

भगवान के हृदय- हृदय में भगवान ने कौस्तुभमणि धारण किया है, जिसे एक बड़े माणिक्य व हीरे के अलंकरण से सजाया गया है।

पदिक - कंठ से नीचे व नाभि कमल से ऊपर पदिक पहनाया गया हार पदिक होता है। इस पदिक में पांच लड़ियों वाले हीरे और पन्ने का पंचलड़ा लगाया गया है। इसमें 80 कैरेट के हीरे, 550 कैरेट का पन्ना लगा है।

वैजयंती माला - यह दो किलो स्वर्ण से निर्मित हार है। इसमें कहीं-कहीं माणिक्य लगाए गए हैं। इसे विजय के प्रतीक के रूप में पहनाया जाता है। जिसमें वैष्णव परंपरा के समस्त मंगल चिह्न, सुदर्शन चक्र, पद्मपुष्प, शंख और मंगल कलश दर्शाया गया है।

कमर में करधनी -भगवान के कमर में रत्नजड़ित करधनी धारण कराई गई है। यह हीरे, माणिक्य, मोतियों और पन्ने से अलंकृत है। इसमें छोटी-छोटी पांच घंटियां लगाई गई हैं। इन घंटियों में मोती, माणिक्य और पन्ने की लड़ियां भी लटक रही हैं। इसमें 70 कैरेट के हीरे व 850 कैरेट के माणिक्य का प्रयोग किया गया है।

भुजबंद - भगवान की दोनों भुजाओं में स्वर्ण और रत्नों से जड़ित भुजबंध पहनाए गए हैं।

कंकण-कंगन दोनों ही हाथों में रत्न जड़ित सुंदर कंगन पहनाए गए हैं। ये 100 कैरेट के हीरे और 320 कैरेट के माणिक्य व पन्ने से बने हैं।

मुद्रिका -बाएं और दाएं दोनों हाथों की मुद्रिकाओं में रत्नजड़ित मुद्रिकाएं सुशोभित हैं, जिनमें से मोतियां लटक रही हैं। दाएं हाथ की अंगूठी पन्ने की है। जिसमें 33 कैरेट के पन्ने और 4 कैरेट के हीरे लगे हैं। बांये हाथ की अंगूठी माणिक्य की है इसमें हीरे और माणिक्य जड़े हैं।

छड़ा और पैजनियां -पैरों में छड़ा और 500 ग्राम सोने की पैजनियां पहनाई गई हैं।

बाएं हाथ में सोने का धनुष- भगवान के बाएं हाथ में सोने का धनुष है। इसमें मोती, माणिक्य और पन्ने की लटकन लगी हैं। इसी तरह दाहिने हाथ में स्वर्ण का बाण धारण कराया गया है। धनुष और बाण लगभग एक किलोग्राम सोने का है।

गले में वनमाला - भगवान के गले में रंग-बिरंगे फूलों की आकृतियों वाली वनमाला धारण कराई गई है। इसका निर्माण हस्तशिल्प के लिए समर्पित शिल्प मंजरी संस्था ने किया है।

मस्तक पर माणिक्य -भगवान के मस्तक पर पारंपरिक मंगल-तिलक को हीरे और माणिक्य से रचा गया है। इसमें तीन कैरेट का हीरा लगा है।

चरणों में स्वर्ण माला - भगवान के चरणों के नीचे जो कमल सुसज्जित है, उसके नीचे एक स्वर्ण माला सजाई गई है।

सोने चांदी के खिलौने - बाल स्वरूप रामलला के लिए खिलौने भी रखे गए हैं। चांदी से निर्मित खिलौने में झुनझुना, हाथी, घोड़ा, ऊंट, खिलौना गाड़ी व लट्टू

स्वर्ण का छत्र - भगवान के प्रभामंडल के ऊपर सोने का छत्र लगा है। यह 22 कैरेट सोने से बना है।

ट्रेनों के लिए खुला अयोध्या रूट, 6 ट्रेनें आज से बहाल, 30 बदले रास्ते से चल रहीं आएंगी अपने मार्ग पर

अयोध्या रूट की निरस्त चल रहीं छह ट्रेनें बृहस्पतिवार से बहाल हो जाएंगी। वहीं बदले रास्ते से चलाई जा रहीं अयोध्या रूट की 30 ट्रेनें भी अपने तय मार्ग पर लौट आएंगी। इससे अयोध्या जाने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को सहूलियत होगी। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि मेंटेनेंस कार्यों के कारण निरस्त व बदले रूट से चलाई जा रही थीं। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल की ओर से अयोध्या धाम-अयोध्या कैंट-सलारपुर रेलखंड की निरस्त व मार्ग परिवर्तित की गई ट्रेनें 25 जनवरी से बहाल हो जाएंगी। 12529 पाटलिपुत्र-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस, 12530 लखनऊ-जंक्शन पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, 15069 गोरखपुर-ऐशबाग एक्सप्रेस, 15070 ऐशबाग-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15113 गोमतीनगर-छपरा कचेहरी एक्सप्रेस व 13114 छपरा-कचेहरी गोमतीनगर एक्सप्रेस बहाल हो जाएंगी। वंदे भारत बहाल, पर साढ़े पांच घंटे रही लेट अयोध्या कैंट से आनंदविहार वाया लखनऊ चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बुधवार को बहाल कर दी गई। यह ट्रेन पिछले सात जनवरी से निरस्त चल रही थी। बहाली के बाद पहले दिन ही ट्रेन चारबाग रेलवे स्टेशन पर शाम 5ः20 बजे के बजाय 5ः35 घंटे की देरी से पहुंची।

पौष पूर्णिमा के दिन इन चीजों का करें दान, धन का मिलेगा लाभ

हर माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि के अगले दिन पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। पौष महीने का समापन पौष पूर्णिमा के दिन होता है। साल 2024 की पहली पौष पूर्णिमा आज (25 जनवरी) मनाई जा रही है। इस खास अवसर पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की होती है और व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान और दान, जप तप करने से घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली का आगमन होता है। साथ ही साधक की मनचाही मनोकामनाएं पूरी होती हैं। शास्त्रों में इस बात का जिक्र किया गया है कि पौष पूर्णिमा के दिन कुछ विशेष चीजों का दान करने से व्यक्ति को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है और धन में बढ़ोतरी होती है। आइए आपको बताते हैं कि पूर्णिमा के दिन किन चीजों का दान करना फलदायी होता है। ***पौष पूर्णिमा शुभ मुहूर्त*** *पंचांग के अनुसार, पौष पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 24 जनवरी को रात 09 बजकर 49 मिनट से हो गई है और इसके अगले दिन यानी 25 जनवरी को देर रात 11 बजकर 23 मिनट पर तिथि का समापन होगा। अतः आज (25 जनवरी) पौष पूर्णिमा मनाई जा रही है। सनातन धर्म में पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान-दान करने का अधिक महत्व है। इस अवसर पर सूर्यदेव और चंद्रदेव की पूजा-अर्चना करने का विधान है। मान्यता के अनुसार, पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदी में स्नान, दान और धर्म-कर्म के कार्यों को करने से व्यक्ति को पुण्य फल की प्राप्ति होती है।*

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' का टीजर रिलीज

मुंबई अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में इस फिल्म का टीजर आउट हो गया है। टीजर ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म 'बड़े मिया छोटे मिया' में दर्शकों को एक्शन का रोमांच भी देखने को मिलेगा। एक मिनट 41 सेकेंड के टीजर में दमदार डायलॉग्स और जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ सैनिक की भूमिका में नजर आएंगे। टीजर में टाइगर कहते दिख रहे हैं- 'दिल से सोल्जर, दिमाग से शैतान हैं हम। बचकर रहना हमसे, हिन्दुस्तान हैं हम।' इस पर अक्षय कहते हैं, 'बचके रहना हमसे हिन्दुस्तान हैं हम।'बड़े मिया छोटे मिया' का धमाकेदार टीजर सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है। फिल्म ब्लॉकबस्टर हो सकती है। 'बड़े मिया छोटे मिया' एक बड़े बजट की फिल्म है। इस फिल्म में दर्शकों को एक्शन और ह्यूमर देखने को मिलेगा। फिल्म 'बड़े मिया छोटे मिया' अक्षय कुमार के लिए बेहद खास है। यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। दर्शक इस फिल्म से जुड़ी हर अपडेट जानने के लिए उत्सुक हैं। इस फिल्म के निर्देशन का जिम्मा अली अब्बास जफर ने संभाला है। इस फिल्म का निर्माण पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म ईद के मौके पर रिलीज होगी। फिल्म 'बड़े मिया छोटे मिया' के धमाकेदार एक्शन सीन्स को लेकर दर्शक उत्सुक हैं। इस फिल्म में एक्शन सीन हॉलीवुड फिल्म की तरह शूट किए गए हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर, अलाया एफ, पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अजय देवगन की 'मैदान' और 'बड़े मिया छोटे मिया' बॉक्स ऑफिस पर आमने-सामने हो सकती हैं।

अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन 'बिग बॉस-17' से बाहर हुए

संघर्ष

मुंबई । अब 'बिग बॉस-17' का सफर खत्म होने को है। अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन 'बिग बॉस-17' से बाहर हो गए हैं। ग्रैंड फिनाले में जाने वाले 'टॉप-5' कंटेस्टेंट्स को चुनने की प्रक्रिया पूरी हो गई। इस बार अभिषेक कुमार पहले फाइनलिस्ट बने तो उनके बाद मन्नारा चोपड़ा और मुनव्वर फारूकी को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। बाद में 'बिग बॉस' ने तीन प्रतियोगियों विक्की जैन, अरुण महाशेट्टी, अंकिता लोखंडे में से विक्की जैन को बाहर करने का निर्णय सुनाया। अरुण और अंकिता को फाइनलिस्ट घोषित कर दिया। जैसे ही अंकिता लोखंडे को पता चला कि उनके पति घर छोड़कर जाने वाले हैं तो वह रोने लगीं। 'बिग बॉस' ने अपने फैसले के बाद, अंकिता और विक्की ने अपनी बिग बॉस यात्रा के बारे में यादें शेयर कीं। अंकिता ने कहा कि यह उनके लिए बहुत कठिन सफर था। क्योंकि इस सफर में उन्होंने दूसरों से खूब किया, लेकिन जब बात विक्की जैन की आई तो वह पीछे हट गईं। विक्की ने उस समय कहा था कि वह अब अपने रिश्ते को बेहतर ढंग से समझते हैं और खुश हैं कि बिग बॉस ने उन्हें उनकी गलतियों का एहसास कराया। बिग बॉस के घर से निकलने से पहले विक्की ने सभी को गले लगाया।अंकिता ने भी रोते हुए अपने पति को गले लगाया और कहा कि उन्हें विक्की पर बहुत गर्व है। अंकिता ने कहा, 'आपने बहुत अच्छा गेम खेला है। आप बिना किसी सपोर्ट के यहां आए और शो में अपनी जगह बनाई। मुझे आपकी पत्नी होने पर गर्व है। मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैं विक्की जैन की पत्नी अंकिता लोखंडे हूं।' अंकिता को खूब रोता देख विक्की एक बार फिर अंकिता का मजाक उड़ाते हुए कहते हैं, 'मैं बाहर जमकर पार्टी करने जा रहा हूं।'

इस समय विक्की के इस मजाक में बिग बॉस भी शामिल

रणबीर-आलिया-विक्की को निर्देशित करेंगे संजय लीला भंसाली

मुंबई । जाने-माने निर्देशक संजय लीला भंसाली अपने सामान्य ऐतिहासिक नाटकों से हटकर एक समकालीन प्रेम कहानी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। यह फिल्म भंसाली की पूर्व नियोजित रोमांटिक कॉमेडी 'इंशाल्लाह' से जुड़ी नहीं है, जिसे हाल ही में शाहरुख खान ने अस्वीकार कर दिया था। इस आगामी रोमांटिक ड्रामा में मुख्य भूमिकाओं के लिए भंसाली रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ बातचीत कर रहे हैं। कौशल को फिल्म में मुख्य पुरुष भूमिका निभाने के लिए भी संपर्क किया गया है। इसकी शूटिंग नवंबर में शुरू होने की उम्मीद है।

जूनियर एनटीआर की 'देवरा' की रिलीज डेट टली

मुंबई। जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा का लोगों को लंबे समय से इंतजार है। फिल्म का निर्देशन कोरताला शिवा कर रहे हैं। हाल ही में इसका टीजर जारी किया गया था, जिसे समीक्षकों के साथ दर्शकों की भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। इसे देखकर साउथ के साथ हिंदी पट्टी के लोगों की भी उत्सुकता बढ़ गई थी। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब यह फिल्म अपने पहले से तय समय पर रिलीज नहीं की जाएगी। रिपोर्ट में करीबी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि मेकर्स के फैसले के अनुसार फिल्म को पांच अप्रैल को सिनेमाघरों में नहीं प्रदर्शित किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक देवरा में काफी ज्यादा वीएफएक्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी वजह से फिल्म में अधिक समय लग रहा है। निर्माताओं ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे दृश्यों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। जूनियर एनटीआर भी आरआरआर के बाद इस फिल्म को लेकर आ रहे हैं, इस वजह से वे भी फिल्म को लेकर विशेष सतर्कता बरत रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म 2024 की दूसरी छमाही में बड़े पर्दे पर दस्तक दे सकती है। रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि वीएफएक्स का काम पूरे जोरों पर चल रहा है, लेकिन इस फिल्म की लगभग 20 दिनों की शूटिंग भी अभी बाकी है। वहीं, देवारा में खलनायक की भूमिका निभा रहे सैफ अली खान की चोटिल हैं और सर्जरी के बाद फिलहाल आराम कर रहे हैं। इन सब वजहों से मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाना ही बेहतर समझा है। देवारा की कहानी को फिलहाल मेकर्स ने गुप्त रखा है। इसमें जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली है। इस फिल्म से वे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू कर रही हैं। फिल्म को कुल दो भाग में बनाए जाने की योजना है। वर्क फ्रंट की बात करें तो जूनियर एनटीआर हिंदी फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ भी नजर आने वाले हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनने जा रही यह फिल्म वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है।

अर्गिल के वर्ल्ड प्रीमियर पर हेनरी कैविल का जलवा, गर्लफ्रेंड नताली विस्कुसो संग दिए पोज

अर्गिल इस साल की बहुप्रतीक्षित हॉलीवुड फिल्मों में से एक है। बीती रात सितारे लंदन में फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर के लिए निकले। सितारों से सजे इस कार्यक्रम में कई दिग्गजों ने रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरा। प्रीमियर में ब्राइस डलास हॉवर्ड, दुआ लीपा और अन्य सितारे शिरकत करते देखे गए। वहीं, इस इवेंट में सबसे यादा लाइमलाइट 40 साल के अभिनेता हेनरी कैविल ने बटोरी। इस दौरान वह अपनी गर्लफ्रेंड नताली विस्कुसो के साथ रेड कार्पेट पर पोज देते नजर आए। लंदन प्रीमियर में हेनरी कैविल का जलवा कैविल, अर्गिल के लंदन प्रीमियर में हेनरी कैविल गहरे नीले रंग के सूट में बेहद स्मार्ट लगे। वहीं, उनकी गर्लफ्रेंड नताली विस्कुसो सफेद रंग के लंबे गाउन के ऊपर गोल्डन जैकेट पहनी काफी हसीन लगीं।

फाइटर को मिला एक्स वाइफ सुजैन खान और गर्लफ्रेंड सबा आजाद का साथ, शाहरुख ने लगाए चार चांद

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म फाइटर आज यानी 25 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। मूवी में ऋतिक रोशन, अनिल कपूर और दीपिका पादुकोण जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। भारत की पहली एरियल फिल्म होने के नाते इसे लेकर दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। फिल्म के ट्रेलर और गाने ने समीक्षकों का भी उत्साह बढ़ाया हुआ है। मूवी को भारतीय सशस्त्र बलों के बलिदान और देशभक्ति के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में प्रस्तुत किया गया है। रिलीज से एक दिन पहले इंडस्ट्री सहयोगियों के लिए यश राज स्टूडियो में एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई थी, जिसमें ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन खान और गर्लफ्रेंड सबा आजाद के अलावा कई अन्य सितारे शिरकत करते देखे गए।

स्क्रीनिंग में ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान अपने बेटों के साथ वाईआरएफ स्टूडियो पहुंचीं। ऋतिक को गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ एक ही कार में परिवार के सदस्यों के साथ उनकी चचेरी बहन पश्मीना रोशन और बहन सुनैना रोशन के साथ आते देखा गया। डंकी अभिनेता शाहरुख खान भी फाइटर की स्क्रीनिंग का हिस्सा बने। शाहरुख खान को लग्जरी कार में कड़ी सुरक्षा के बीच वेन्यू के अंदर एंट्री लेते देखा गया। इसके अलावा राशि खन्ना, वाणी कपूर, आयुष्मान खुराना जैसी अन्य हस्तियों को भी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते देखा गया। फाइटर की बात करें तो केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म में चार संशोधनों के बाद इसे हरी झंडी दिखा दी। सबसे पहले धूम्रपान विरोधी स्थैतिक संदेश को हिंदी में बताने को कहा गया। दूसरा, एक अपमानजनक शब्द को दो डायलॉग में म्यूट कर दिया गया या बदल दिया गया, एक 53 मिनट पर और दूसरा 1 घंटा 18 मिनट पर। तीसरा, यौन रूप से सुझाए गए दृश्य हटा दिए गए। अंत में, एक टीवी समाचार दृश्य में 25 सेकेंड का ऑडियो हटा दिया गया और उसकी जगह 23 सेकंड का ऑडियो लगा दिया गया। फाइटर का रन टाइम 2 घंटे 46 मिनट है। फाइटर का निर्माण वायकॉम18 स्टूडियोज और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स द्वारा किया गया है।

ऑस्कर्स नॉमिनेशन की लिस्ट जारी

पेरिस में दिखा अनन्या पांडे का अतरंगी अंदाज

मुंबई बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने बॉलीवुड में खास जगह बनाई है. अनन्या पांडे ने चंद फिल्में कर टॉप एक्ट्रेस का दर्जा हासिल कर लिया है. हाल ही में नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'खो गए हम कहां' में अनन्या पांडे की एक्टिंग की जमकर तारीफ की गई. इसके साथ ही अनन्या पांडे फैशन की दुनिया में भी खूब नाम कमा रही हैं हाल ही में अनन्या पांडे ने फ्रांस के शहर पेरिस में चल रहे फैशन रैंप शो में हिस्सा लिया. यहां अतरंगी ड्रेस में अनन्या पांडे ने महफिल लूट ली. यहां अनन्या पांडे एक अतरंगी ड्रेस में अपनी अदाओं का जलवा बिखेरती नजर आईं. अनन्या पांडे की ये तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं. इन तस्वीरों पर फैन्स ने भी कमेंट्स किए और उर्फी जावेद से उनके फैशन की तुलना कर डाली.

शिल्पा शेट्टी ने मंदिर में टेका माथा और हो गईं ट्रोल-शिल्पा शेट्टी राम मंदरि के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल होने वाली अतिथियों में शामिल नहीं थीं. लेकिन एक्ट्रेस ने इस दनि मुंबई के ही मंदिर में जाकर 'जय श्री राम' के नारे लगाए और पूजा-अर्चना की. शल्पिा सोमवार के मुंबई के सद्धिविनायक मंदिर पहुंची और उन्होंने पूरे जोश के साथ पूजा की. लेकिन परेशानी तब हुई जब शल्पिा ये यहां एक गड़बड़ हो गई. मंदिर में पूजा करती शल्पिा ने एक ऐसी गड़बड़ कर दी, जसिके बाद एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल कयिा जा रहा है. दरअसल शल्पिा शेट्टी का एक वीडयिो सोशल मीडयिा पर वायरल हो रहा है. इस वीडयिो में एक्ट्रेस मंदिर में पूजा करने के बाद भगवान के आगे माथा टेकते हुए दखि रही हैं. जब शल्पिा माथा टेकने नीचे झुकती हैं, तो तुरंत अपना पल्लू आगे कर लेती हैं. यानी उनका माथा मंदिर की धरती को लगने के बजाए उनके साड़ी के पल्लू पर ही जाकर टच होता है. बस फिर क्या, ये देखते ही सोशल मीडयिा पर शल्पिा को लोग जमकर ट्रोल कर रहे हैं 'कि भगवान के मंदिर में आकर भी इन्हें अपने मेकअप की चिंता है.'

ऑस्कर 2024 में भारत की फिल्मों को नहीं मिली जगह सिनेमा जगत के सबसे बड़े अवॉर्ड्स ऑस्कर 2024 की नॉमिनेशन लिस्ट जारी कर दी गई है. इस लिस्ट में भारत की किसी भी फिल्म को जगह नहीं दी गई है. लेकिन भारत के छोटे से गांव की कहानी पर बनी 1 डॉक्यूमेंट्री नॉमिनेशन में जगह बनाने में सफल रही है. मंगवार की शाम ऑस्कर ने नॉमिनेशन की पूरी लिस्ट जारी कर दी है. इस लिस्ट में बेस्ट फिल्मों में अमेरिकन फिक्शन, एनाटॉमी ऑफ ए फॉल, बार्बी, द होल्डओवर्स, किलर्स ऑफ द फ्लावर मून, माइस्ट्रो, ओपनहाइमर, पास्ट लाइव, पुअर थिंग्स, द जोन ऑफ इंटरेस्ट जैसी फिल्मों को शामिल किया गया है. वहीं बेस्ट एक्टर इन लीडिंग रोल में की लिस्ट में एनेट बेनिंग (न्याद), लिली ग्लैडस्टोन (किलर ऑफ़ द फ्लावर मून), सैंड्रा हुलर (एनाटॉमी ऑफ़ ए फ़ॉल), केरी मुलिगन (उस्ताद), एम्मा स्टोन (पुअर थिंग्स) जैसे हॉलीवुड के सितारों के नाम शामिल हैं. बेस्ट डायरेक्टर की लिस्ट में जस्टिन ट्राइट (एनाटॉमी ऑफ़ ए फ़ॉल), मार्टिन स्कोर्सेसे (किलर्स ऑफ़ द फ्लावर मून), क्रिस्टोफर नोलन (ओपनहाइमर), योर्गोस लैंथिमोस (पुअर थिंग्स), जोनाथन ग्लेज़र (द जोन ऑफ इंटरेस्ट) को नॉमिनेट किया गया है.

सलमान खान ने 5 साल बाद पूरा किया अपना वादासलमान खान ने हाल में 9 साल के कैंसर सर्वाइवर जगनबीर से मुलाकात की. सलमान ने 5 साल पहले जगनबीर से दोबारा मिलने का वादा किया था. जगनबीर उस समय 4 साल का था. कीमोथेरेपी की वजह से जगन की आंखें चली गई थीं.

धर्मेंद्र की नातिन निकिता चौधरी की शादी देओल फैमिली में करण देओल की शादी के बाद एक और शादी होने जा रही है. यह शादी उदयपुर में होगी. यह शादी सनी देओल की भांजी की है, जो उनकी बहन अजीता देओल की बेटी और धर्मेंद्र की नातिन है. अजीता देओल की बेटी का नाम निकिता चौधरी है. वह अमेरिका में रहती हैं.

1 दिन का प्रधानमंत्री बनने पर क्या करेंगे पंकज त्रिपाठी पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि अगर उन्हें एक दिन के लिए देश का प्रधानमंत्री बना दिया जाए तो वह क्या करेंगे इस सवाल का उन्होंने मजेदार जवाब दिया. उन्होंने कहा, 'यकीन करने में ही पूरा दिन निकल जाएगा कि मैं प्रधानमंत्री बन गया हूं. निर्णय कहां से कुछ लेंगे, ये समझने और यकीन करने में पूरा वक्त बीत जाएगा. तब तक पता चला कि आपका समय खत्म हो गया है.'

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई पन्ना का कार्ड वितरण एवं सम्मान समारोह श्री धनंजय श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष जी के नेतृत्व में हुआ संपन्न

चोपड़ा मंदिर के अलौकिक प्रकृति सुंदरता के बीच सभी पत्रकार बंधुओ ने भटा ककड़ का लिया आनंद

सिटी चीफ । रामनरेश विश्वकर्मा

पन्ना, मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई का आज 21 जनवरी 2024 को कार्ड वितरण समारोह हुआ संपन्न पन्ना जिला अध्यक्ष श्री धनंजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में सभी पत्रकार साथियों को कार्ड वितरण किए गए एवं जो पत्रकार साथी सदस्यता अभियान में मेहनत लगन से काम किया उनको शील्ड दे कर किया सम्मानित उसके आगे हमारे जिला अध्यक्ष धनंजय श्रीवास्तव जी ने कहा की हमारा कोई भी पत्रकार चाहे वह शहर से हो या गांव से हो सभी एक समान है जिला अध्यक्ष जी ने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र में कुछ साथी अपने आप को ब्रांडेड समझते हैं जबकि यूट्यूब पर पोर्टल एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करने वाले साथियों को यह लोग फर्जी कहते हैं उन्होंने कहा कि साथियों संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी के तहत यह ब्रांडेड लोग भी काम कर रहे हैं तथा अन्य लोग भी कोई फर्जी नहीं है

ना कोई ब्रांडेड अधिकार पूर्वक सब ही संविधान पर कार्य कर रहे हैं बस उनकी लड़ाई यह है कि आज डिजिटल क्षेत्र की संख्या अधिक हो गई है तथा उनकी दुकानदारी घाटे पर चल रही है इस वजह से ब्रांडेड तथा फर्जी कहकर निचले स्तर के साथियों को अपमानित किया जाता है हम ऐसा नहीं होने देंगे आज हम पन्ना जिले में संख्या के आधार पर शीर्ष पर है तथा मजबूती के साथ हमारा संगठन जिले में विस्तार कर रहा है आज किसी की हिम्मत नहीं है कि हमारे साथियों पर कोई आंख उठा कर देखें बस आपको अनुशासित ढंग से पत्रकारिता करना है हमारा पत्रकार भाइयों से यही कहना है कि जहां आपको सम्मान ना मिले या आमंत्रण ना मिले तो आप ना जाए आमंत्रण मिलने के बाद अगर आप जाते हैं तो आपको सबसे पहले प्रथम बैठने की व्यवस्था वहां पर होनी चाहिए अगर वहां पर आपको बैठने की व्यवस्था नहीं मिल रही है तो आप वहां से चले आए नए पदाधिकारी जो नियुक्त किए गए पन्ना से अशोक शाक्य अजयगढ़ से आशीष यादव देवेंद्र नगर से गौरी शंकर कुशवाहा को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

क्रांतिकारी स्व नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मौत का मिले न्यायः उमेश गौतम

महानतम क्रांतिकारी सुभाष चंद्र बोस ने देश के सभी युवाओं में एक जोश और अलख जगाने का कार्य किया था निसमय उनकी मौत ने देश को स्तंबध कर दिया था

सिटी चीफ। विवके कुमार मिश्रा

सतना, स्वतंत्र पत्रकार संपादक उमेश गौतम जी ने वर्तमान सरकार से नेताजी के रहस्यमई मौत को न्याय को लेकर गुजारिश की ओर कहा हम बात कर रहे हैं भारत के उसे गौरवशाली युवा के सम्राट की जिन्होंने बहुत ही कम उम्र में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की भारत के महानतम क्रांतिकारी सुभाष चंद्र का जन्म 29 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में हुआ था यह 20 वर्ष के थे जब आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की थी और बहुत ही कम समय में कम उम्र में कलेक्टर बन गए थे लेकिन देश प्रेम के कारण नौकरी छोड़ दिया और आजादी की लड़ाई में कूद पड़े सुभाष चंद्र बोस पहले क्रांतिकारी थे जो सबसे कम समय में भारत के राष्ट्रीय नेता बन गए उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 1929 को त्रिपुरा सम्मेलन में गांधी जी के समर्थक पत्तभ सीता रमैया को हराया लेकिन गांधी जी से मतभेद होने के कारण कांग्रेस को छोड़ दिया और उन्होंने देश के लिए

विदेश में समर्थन प्राप्त किया हिटलर जैसे तानाशाही उनकी योग्यता से प्रभावित होकर नेताजी का सम्मान दिया और अपना समर्थन भी दिया उन्होंने देश को आजाद करने के लिए आजाद हिंद फौज बनाया और भारत के पूर्वी क्षेत्र में अंग्रेजों को हराया भी लेकिन दुर्भाग्य से सफल नहीं हो पाए और 1945 में रहस्यमय तरीके से हवाई यात्रा में उनकी मौत हो गई किंतु उनकी मौत आज भी रहस्य में बनी हुई है कुछ लोगों का तो मानना है कि तत्कालीन भारत के शिरस्त नेता ने मरवाया था क्युकी उन्हें सुभाष जी से खतरा था आज सरकार से हमारी प्रार्थना है की सुभाष चंद्र की मौत को न्याय मिल सके और हम सब भारतवासियों को यह पता चले कि उनकी मौत कब और कैसे और किस कारण से हुई यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी यही मेरी कामना है यही मेरी वर्तमान सरकार से आशा है लोग कहते हैं कि वर्तमान सरकार में मोदी जी कठिन निर्णय लेने में सक्षम है अगर इस पर भी कठिन निर्णय लेकर जांच कर अपराधियों को सबके सामने लाना चाहिए तो निश्चित यह राष्ट्र के लिए और सुभाष चंद्र बोस के लिए संपूर्ण श्रद्धांजलि होगी

सिटी चीफ। रामनरेश विश्वकर्मा पन्ना। सिमरिया, सिमरिया तहसीलदार चंद्रमणि सोनी ने बताया पहल करने से बड़े काम बन जाते हैं विकसित यात्रा के दौरान तहसीलदार सिमरिया ने बताया कि सिमरिया शमशान घाट की जो बाउंड्री वॉल बन रही है उसमें लोगों का कब्जा होने वाला था लेकिन शमशान घाट का निर्माण हमने जे के सीमेंट के जीएम ए पी सिंह से बात और बाउंड्री का निर्माण कार्य होने लगा और इसी तरह से सिमरिया अस्पताल का भी पुनर्निर्माण कराया जा रहा है और क्या कुछ कहा तहसीलदार सिमरिया देखें पूरी खबर.

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

बर्डियासोन के पास जंगल में मिला युवक, शिनाख्ती में जुटी पुलिस

सिटी चीफ। भगवानदास बैरागी शाजापुर, जिला मुख्यालय से करीब 20 किमी दूर भोपाल-उज्जैन मार्ग पर ग्राम बर्लडियासोन के समीप एक विक्षिप्त युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। बुधवार को शव का पीएम किया गया। बेरछा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम को बर्डियासोन के समीप जंगल में एक विक्षिप्त युवक पटरी पर घूम रहा था। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। इस हादसे में युवक का दाहिना पैर कट गया और उसके शरीर पर चोंट के भी निशान है।युवक के बाल बिखरे हुए थे और उसने एक सफेद रंग का टावेल लपेट रखा था, इसके अलावा एक शाल रखी हुई थी। युवक की उम्र 25से 26 वर्ष के लगभग है। युवक की अभी तक शिनाख्त नहीं हुई है और हुलिए से वह विक्षिप्त प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

26 जनवरी को जिला स्तर के आयोजन स्थल पर/परेड स्थल पर नये कानूनों के संबंध में प्रदर्शनी लगाई जाने के निर्देश जारी

सिटी चीफ । धीरज कुमार अहीरवाल दमोह, हाल ही में संसद द्वारा तीन नए कानून (भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023) को पारित किया गया है। इन कानूनों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों के मानवाधिकारों एवं महिलाओं, बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, पीड़ित-केंद्रित न्याय तंत्र स्थापित करना, जटिल प्रक्रियाओं के सरलीकरण से आपराधिक न्याय प्रणाली को और सुगम तथा सुलभ बनाना इत्यादि 26 जनवरी 2024 को जिला स्तर के आयोजन स्थल पर/परेड स्थल पर नये कानूनों के संबंध में एक प्रदर्शनी लगाई जाने के निर्देश राज्य शासन द्वारा जारी किए गए हैं। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी मीना मसराम ने कहा है प्रदर्शनी का प्रारूप व सामग्री जनसंपर्क विभाग एवं पुलिस मुख्यालय के माध्यम से प्रेषित की जाएगी। उक्तानुसार 26 जनवरी को उक्त कानूनों के संबंध में प्रदर्शनी आयोजित की जाये।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिले की 101 बालिकाओं का सम्मान

सिटी चीफ । विवके कुमार मिश्रा

सतना, राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बुधवार को संतोषी माता मंदिर परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ कार्यक्रम में महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, कलेक्टर अनुराग वर्मा, सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, निगमायुक्त अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर ऋषि पवार, श्रीमती तारा विजय पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सौरभ सिंह, सहायक संचालक श्याम किशोर द्विवेदी, परियोजना अधिकारी अरूणेश तिवारी, पुनीत शर्मा, अभय द्विवेदी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे जिले के समस्त शासन एवं प्रशासन अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं में उनकी उपलब्धियों पर 101 बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल भेंटकर सम्मानित किया गया। इनमें खेल-

कूद, संगीत, कराते, ताईकांडो तथा इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाली बालिकाओं सहित बोर्ड परीक्षाओं की स्टेट टॉपर और मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा में चयनित बालिकाएं शामिल है.

पुलिस ने लापता नाबालिक बालकों को एक घंटे में खोजा

सिटी चीफ। विवके कुमार मिश्रा

सतना, सतना सिविल लाइन थाना क्षेत्र पौराणिक टोला से लापता नाबालिग बालक को 1 घण्टे के अंदर सिविल लाइन पुलिस के द्वारा किया गया दस्तयाब पुलिस की तत्परता से मिली बड़ी कामयाबी सतना पुलिस थाना सिविल लाइन पैराणिक टोला के निवासी परिजन के द्वारा सूचना दी गयी कि उनका नाबालिग लड़का लापता हो गया है वह काफी समय से देख नहीं रहा सूचना पर पुलिस अधीक्षक के

निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिविल लाइन योगेंद्र सिंह परिहार के द्वारा अलग अलग टीमें गठित कर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड , एवम सतना के संभावित क्षेत्रों में रवाना किया गया एवं सूचना प्राप्त होने के महज 1 घण्टे के अंदर नाबालिग बालक को दस्तयाब कर उसके परिजनों को सुरक्षित सुपुर्द किया गया सतना पुलिस की तत्परता से मिली बड़ी कामयाबी बालक के मिलते ही परिजन ने सतना पुलिस का आभार व्यक्त किया है.

खेल/आरोग्य

लगातार दूसरे साल आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने गए सूर्यकुमार यादव

भारतीय स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को बुधवार को आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 चुना गया है। यह लगातार दूसरा साल है, जब उन्हें यह सम्मान मिला है। सूर्यकुमार ने 2023 में 20 ओवर के क्रिकेट प्रारूप में अपना दबदबा बनाया और 17 पारियों में 48.86 की औसत और 155.95 की स्ट्राइक रेट के साथ 733 रन बनाए। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में धीमी शुरुआत की और श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ सात रन बनाए। हालाँकि, उन्होंने अगले दो मैचों में 51 (36) और 112* (51) का स्कोर बनाया। सूर्यकुमार ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 83 (44) रन की पारी से पहले 20 और 40 रन की पारी खेली। उन्होंने 61 (45) की पारी के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला का समापन किया। वर्ष के अंत में, दाएं हाथ के बल्लेबाज को युवा भारतीय टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई। सूर्यकुमार ने ऑस्ट्रेलिया (42 गेंदों पर 80 रन) और दक्षिण अफ्रीका (36 गेंदों पर 56 रन) के खिलाफ अर्धशतक बनाए, जोहान्सबर्ग में साल के अपने अंतिम टी20 में प्रोटियाज के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 56 गेंदों पर शतक लगाया। उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी श्रीलंका के खिलाफ थी जब उन्होंने 51 गेंदों पर 112 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 9 छक्के और 7 चौके शामिल थे।

सर्दियों में रोजाना खाएं ज्वार की रोटी... मिलेंगे यह बेहतरीन फायदे

नई दिल्ली । ज्वार ग्लूटेन-फ्री होती है और इसे सबसे अच्छे अनाजों में गिना जाता है. अंग्रेजी में इसे सोरघम के नाम से जाना जाता है. भारत में ज्वार को अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे तमिलनाडु में चोलम और आंध्र प्रदेश में जोन्ना. ज्वार को पीसकर आटा बनाया जाता है जिसका उपयोग रोटी, भाकरी, चीला, डोसा आदि बनाने में किया जाता है. यह बाजरा परिवार का सदस्य है इसलिए पहले से ही यह उपयोग में लिया जाता है. इसकी तासीर गर्म होती है और सर्दियों में लोग अक्सर ज्वार की रोटी खाना पसंद करते हैं. इसे खाने के कई फायदे होते हैं. जैसे,

1. ग्लूटेन-फ्री ग्लूटेन एक प्रोटीन घटक है जो गेहूं और जौ आधारित खाद्य पदार्थों में पाया जाता है. यह सूजन, दर्द और पेट में ऐंठन जैसी पाचन समस्याओं का कारण बनता है. ज्वार में ग्लूटेन ना होने के कारण यह काफी अधिक मात्रा में खाया जाता है.जौ या चावल जैसे अन्य अनाजों की तुलना में, ज्वार में फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है. ज्वार की एक सर्विंग में 12 ग्राम से अधिक फाइबर होता है जो फाइबर की जरूरत का लगभग आधा होता है. हाई फाइबर वाली डाइट मोटापा, स्ट्रोक, हाई ब्लडप्रेशर, हार्ट डिसीज, डायबिटीज और डाइजेशन जैसी समस्याओं से बचाता है.

3. ब्लड शुगर कंट्रोल करे ज्वार कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट होता है जो धीरे-धीरे पचता है. नतीजतन, यह ब्लड शुगर को स्थिर रखता है इसलिए, यह डायबिटीज रोगियों और वजन कम करने वाले लोगों के लिए बेहतरीन ऑपशंस है.

4. प्रोटीन अधिक होता है 100 ग्राम ज्वार में 11 ग्राम प्रोटीन होता है जो शरीर को एनर्जी प्रदान करता है और टिश्यूज को रिपेयर करने में मदद करता है.

5. आयरन से भरपूर ज्वार के एक कप में 8.45 मिलीग्राम आयरन होता है. ज्वार में आयरन नॉन-हीम (अवशोषित करने में कठिन) होता है इसलिए इसे विटामिन सी के स्रोत के साथ मिलाने से आपको अधिकतम लाभ मिलेगा.

6. हड्डियों के अच्छा ज्वार में मैग्नीशियम काफी अधिक मात्रा में होता है. ज्वार शरीर में कैल्शियम के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है क्योंकि मैग्नीशियम कैल्शियम अवशोषण को बढ़ाता है.

7. वेट लॉस में मददगार

ज्वार में अन्य अनाजों की तुलना में अधिक फाइबर होता है. फाइबर पेट भरा महसूस कराता है और आप कम खाते हैं जिससे वजन कम होने के चांस बढ़ जाते हैं.

श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में सम्मिलित होना मेरे लिए गौरवपूर्ण क्षण है - डॉ सुधा मलैया

सिटी चीफ। धीरज कुमार अहीरवाल

दमोह, भारतीय इतिहास में एक ऐतिहासिक दिवस के रूप में सम्मिलित हो गया। इस दिन 500 वर्षों के संघर्ष और बलिदानों के पश्चात अयोध्या में भव्य दिव्य नव्य मंदिर में श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की गई। इस समारोह में दमोह से भारतीय जनता पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय सचिव एवं एकलव्य विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ सुधा मलैया को भी आमंत्रण पत्र मिला था एवं डॉ सुधा मलैया प्राण प्रतिष्ठा के समारोह में सम्मिलित हुई एवं 23 जनवरी को उन्होंने श्री राम लला के दर्शन भी किए।

बुधवार दोपहर अयोध्या से दमोह पहुंचने पर सर्वप्रथम डॉक्टर सुधा मलैया ने श्री जागेश्वर धाम बांदकपुर में भगवान जागेश्वर नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं उसके पश्चात दमोह पहुंची। दमोह पहुंचने पर डॉक्टर सुधा मलैया का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। समन्ना, धरमपुरा से राम भक्तों ने डॉक्टर सुधा मलैया की अगवानी की एवं उन्हें पुष्पगुच्छ एवं फूलमाला पहनकर स्वागत किया तदुपरांत स्वागत रैली के माध्यम से शहर के मुख्य मार्ग से होते स्वागत रैली धरमपुरा, बड़ापुरा, पुराना थाना, शिवाजी चौक, बकौली, घंटाघर, स्टेशन चौराहा, तीन गुल्ली से होते हुए स्वागत रैली मलैया मिल परिसर पहुंची, जहां ओजस्विनी महाविद्यालय एवं एकलव्य विश्वविद्यालय के संपूर्ण स्टाफ द्वारा डॉक्टर सुधा मलैया का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मलैया मिल पहुंचने पर डॉक्टर सुधा मलैया ने सर्वप्रथम परिसर में स्थित जैन मंदिर में स्तुति की,

परिवार जनों ने उनकी आरती उतार कर स्वागत किया।

डॉ सुधा मलैया ने पत्रकार वार्ता में सुनाए राम जन्मभूमि आंदोलन से संबंधित संस्मरण

अयोध्या से दमोह लौटने पर डॉक्टर सुधा मलैया ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया जिसमें उन्होंने कहा कि यह विषय है राम आएंगे, राम आए हैं, श्री राम जी के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो गई। 5 वर्ष के रामलला विराजमान हो गए, 1949 में प्रकट हुए 7 इंच के रामलला भी नव्य मंदिर में विराजमान हो गए। रामलाल वहीं विराजमान हुए जहां वह 1949 से 1992 तक विराजमान थे, उसके पश्चात वह अस्थाई रूप से टेंट में विराजमान थे, अब रामलाल स्थाई निवास में पहुंच गए हैं, जैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब रामलला को टेंट में नहीं रहना पड़ेगा, रामलला की भव्यता, महिमा भारत के गौरव स्वाभिमान के अनुरूप उनका उनका स्थान प्राप्त हो गया है, यह राष्ट्रीय गौरव का विषय है यह धार्मिक जाए या विजय नहीं है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भारत के गौरव व स्वाभिमान की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। राम जन्मभूमि आंदोलन को विश्व हिंदू परिषद व भारतीय जनता पार्टी ने गति दी , परंतु आंदोलन तो तभी प्रारंभ हो गया था जब क्रूर बाबर के निर्देश पर 1528 में उसके सेनापति मीर बाकी ने राम मंदिर को तोड़कर वहां मस्जिद बनाई थी। राम भारतीय संस्कृति व आदर्श के प्रतीक हैं उनकी प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 दिन का कठोर तप किया उन्होंने भूमि शयन किया व्रत किया जब रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो वहां उपस्थित सभी साधु संत अतिथि सभी भाव विभोर हो गए थे प्रधानमंत्री ने पूर्ण मनो योग से साष्टांग प्रणाम कर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की है

मैं यह मेरा सौभाग्य है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मुझे सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ रामलला की मोहक छवि का दर्शन प्राप्त हुआ मेरे लिए बहुत ही गौरवपूर्ण क्षण था यह आनंद करने वाला हर्षित करने वाला क्षण था और मैं इसकी साक्षी बनी 5 अगस्त को भूमि पूजन के पश्चात भी मुझे 6 अगस्त को रामलला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ था मुझे रामलला के ऐसे दर्शन हुए कि मैं अभीभूत हो गई

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ सुधा मलैया ने आगे कहा कि 1528 से 1949 और राम जन्मभूमि पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने तक 500 वर्षों तक एक लंबे समय तक यह आंदोलन चला मैं धन्यवाद करूंगी 1949 में तत्कालीन जिलाधीश सिटी मजिस्ट्रेट एवं महंत रामदास जी का जिनके समय रामलला प्रकट हुए इसी कारण हम यह केस जीत पाए 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद 12 दिसंबर को जब अयोध्या में मार्शल लॉ लगा था के बीच में अयोध्या गई वहां मलवे में अवशेषों के फोटो लिए एवं उनकी छाप से उनका अर्थ निकलवाया सभी दस्तावेज व फोटो मैंने विश्व हिंदू परिषद को सौंप दिए सभी सबूत माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किए गए जो मान्य हुए मेरे द्वारा एक पुस्तक लिखी गई है जिसका शीर्षक है कथा राम जन्म भूमि मंदिर निर्माण की जिसका विमोचन शीघ्र ही होगा।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु गठित जिला स्तरीय स्टेयरिंग /सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर मयंक अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न

दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

सिटी चीफ। धीरज कुमार अहीरवाल

दमोह, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु गठित जिला स्तरीय स्टेयरिंग/सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर मयंक अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में संपन्न हुई। समिति की बैठक में पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि, अपर कलेक्टर मीना मसराम विशेष रूपे से मौजूद रहे।

समिति के समक्ष समिति सचिव डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल ने मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की अद्यतन जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की। कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग को विभागीय कार्यों को अधिक प्रचारित/ प्रसारित करने हेतु निर्देश दिए गए। एफ.एस.एस.ए.आई. की ईट राइट चैलेंज फेस -3 प्रतियोगिता के अंतर्गत सेफ भोग योजना, ईट राइट कैंपस योजना, क्लीन वेजिटेबल एंड फरूट मार्केट आदि टास्क की प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को समय पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए । खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग को दमोह जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावटी खाद्य पदार्थों का निर्माण/ विक्रय/परिवहन करने वाले खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु जिला स्तरीय विशेष निगरानी दल गठित करने हेतु कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिशा निर्देश दिए गए। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला एवं मैजिक बॉक्स के माध्यम से खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु निर्देश दिए गए।

दमोह जिले में प्राथमिकता से माह में कम से कम एक विद्यालय/महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं हेतु चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला /मैजिक बॉक्स के द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट के संबंध में प्रशिक्षण एवं जनजागरुकता का सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए गए। साप्ताहिक बाजार में खाद्य पदार्थों की प्रारंभिक जांच चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला/मैजिक बॉक्स से करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में मिलावट की संभावना वाले स्थानों पर आकस्मिक निरीक्षण की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी एवं एस.डी.एम. आर.एल. बागरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, उपसंचालक, कृषि विभाग, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक, पोषण आहार विशेषज्ञ डॉ. आराधना श्रीवास, डॉ.सुरेखा बड़ोले, सहायक प्राध्यापक, के.एन. कॉलेज, उपभोक्ता संगठन से राजकुमार सेन, व्यापारी संघ प्रतिनिधि हासानंद आहूजा एवं सेवंत कुमार जैन एवं डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल एवं मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया उपस्थित थे।

विश्व हिंदी दिवस पखवाड़ा अंतर्गत दयानंद सरस्वती महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

अतिथियों ने बताया हिंदी भाषा का महत्व, प्रतियोगिता में भी शामिल हुए विद्यार्थी

सिटी चीफ। भगवानदास बैरागी

शाजापुर, दयानंद सरस्वती महाविद्यालय, शाजापुर में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के तत्वावधान में भारतीय भाषा मंच के द्वारा विश्व हिंदी दिवस (पखवाड़ा) के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारम्भ मां सरस्वती के चित्र पर मुख्यातिथियों द्वारा माल्यार्पण कर किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्य क्षेत्रीय भारतीय भाषा मंच की संयोजक डॉ. प्रेमलता चूटैल सेवानिवृत्त आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी अध्ययन शाला विक्रम विश्वदिद्यालय, उज्जैन म.प्र. रही। मेडम डॉ. प्रेमलता चुटैल ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्व एवं अपनी मातृभाषा हिन्दी की उपादेयता और व्यक्तित्व

विकास एवं चरित्र निर्माण पर अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विषय-हिंदी के सहा. प्राध्यापक डॉ. पीएस परमार ने अपनी मातृभाषा हिंदी के उद्भव एवं विकास पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के समन्वयक विकास पण्ड्या ने की। हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थीयों में रूचि पैदा करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में पूर्व में ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें विद्यार्थीयों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वित्तीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त गतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र, शील्ड और नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया। गया। वहीं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. प्रेमलता चूटैल ने महाविद्यालय की प्राचार्य रेणुका उदासी एवं महाविद्यालय के समन्वयक विकास पण्ड्या को ज्ञानोदय एवं विकास यात्रा नामक पत्रिका भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन दिव्या शर्मा ने किया तथा आभार रेणुका उदासी ने माना। इस अवसर पर लगभग 70 छात्र-छात्रायें एवं महाविद्यालय के लगभग 20 कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोल प्रेक्षक एवं संभागायुक्त सागर संभाग डॉ वीरेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त गतिविधियों सबंधी बैठक सम्पन्न

सिटी चीफ। धीरज कुमार अहीरवाल दमोह, रोल प्रेक्षक एवं संभागायुक्त सागर संभाग डॉ वीरेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 की गतिविधियों एवं फोटो परिचय पत्र सबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने अब तक की गई गतिविधियों की पॉवर पाइंट के माध्यम से जानकारी दी। संभागायुक्त डॉ रावत ने बैठक में मौजूद राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से चर्चा की और कहा कोई बात या समस्या हो तो बतायें।रोल प्रेक्षक एवं संभागायुक्त डॉ वीरेन्द्र सिंह रावत ने बीएलओ द्वारा प्रस्तुत किये गये फार्म 06, 07 एवं 08 का अवलोकन किया। रोल प्रेक्षक ने बीएलओ द्वारा की गई कार्रवाई के सबंध में जानकारी भी ली और किये गये कार्य पर संतोष जताया।

सडयंत्र कारियो से सवाधान रहो ऊर्जा भाजपा को हराने में लगाओ...अजय अजय टंडन

सिटी चीफ। सुनील कुमार दाहिया

नागौद, लोक सभा चुनाव के मद्देनजर कुमकुम पैलेश नागौद में सतना लोक शभा के प्रभारी अजय टंडन टंडन के मुख्य आतिथ्य व जिला अध्यक्ष दिलीप मिश्रा, नागौद विधान सभा से प्रत्यासी रही डॉक्टर रश्मि सिंह, रैगाव विधान से प्रत्यासी रही कल्पना वर्मा, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अतुल गौतम डब्बू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हरीश कुमार ताम्रकार, जिला कांग्रेस पार्टी के जिला प्रवक्ता अतुल सिंह, जिला भूमि विकाश के पूर्व अध्यक्ष, बीरेंद्र प्रताप सिंह, युवक कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष नागेश मिश्रा, जिलां कांग्रेस के महामंत्री मुख्तयार अहमद सिद्दकी, राजीव बैरागी के आतिथ्य में कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ संपन्न। अतुल गौतम डब्बू ने कहा कि भगवान श्री राम सब के है लेकिन दिखावा करने वालो ने जम कर दिखावा करते हुए समाज को भ्रमित करने का काम किया है। जब कि सनातन धर्म को मानने वालों के साथ सभी धर्मों के

लोगो के साथ सभी दलों के लोगो ने भगवान श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा होने के उपलक्ष्य में उत्सव मनाया लेकिन दिखावा भाजपा ने किया। डॉक्टर रश्मि सिंह ने कहा भाजपा समाज को तोड़ने का काम कर रही है।हमारे नवजवान भाई बहन बेरोजगारी का दंश झेल रहे है। देश कागजो की इकोनामी दम पर नही वास्तविकता के बल पर चलती है। प्रधान मंत्री आवाज योजना का सर्वे काम कांग्रेस सरकार ने कराया था। इत्तफाक से सरकार नही बनी भाजपा की सरकार आई श्रेय उसको मिला खाद्य सुरक्षा अधिनियम हमारी सरकार लेकर आई। मध्य प्रदेश राज्य में हमारी सरकार बनती तो योजना में शामिल कर नारी सम्मान के तहत महिलाओ को 1500 रु देने का काम करती। वर्तमान में लाडली बहना कब तक चलेगी कोई ठिकाना नही। दिलीप मिश्रा ने कहा कि लोक तंत्र में विपक्ष की अपनी एक अलग भूमिका है। नागौद हो या रैगाव मैहर हो या चित्रकूट पूरा संगठन एक एक कार्यकर्ता के साथ है। अजय टंडन ने कहा इससे बुरा और क्या हो सकता है अब हमको बूथ लेबल पर जा कर संघर्ष करना है।हमको कांग्रेस के प्रति समपर्ण भाव के साथ काम करना होंगा। जितने चले गए जाने दो जितने बचे है उतने ही काफी है हार का बदला लेना है।जो छुपे है उन्हें छुपे ही रहने दो कम से कम वह चेहरे तो सामने आ गए जो पार्टी पर नही खुद नेता मानते है। ऐसे लोगो से सावधान रहें। मन की पीड़ा को भाजपा को कुचलने में लगाइए। षडयंत्र कारियो से सवाधान रहे। हमारा संगठन एक एक समर्पित कार्यकर्ता के साथ है। जहां जरूरत पड़ेगी वहा संघर्ष करेगे। इसके साथ ही जिलां कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अतुल सिंह,बीरेंद्र सिंह मुबारक अली भूरा,एडवोकेट मुख्त्यार अहमद सिद्दकी ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान रैगांव विधानसभा युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रजक हिलौंधा, संध्या लोधी उजनेही, मनीष पाठक, ध्रुव त्रिपाठी, निशा पटेल, जनपद सदस्य सीमा बागरी, फिरोज आलम, शिव बालक लोधी, विनोद गुप्ता, मनीष पाठक, बबली राठौर, जगलाल पटेल, भूपेंद्र सिंह, जमाल मकसूद, मोहित रजक, लोहरौरा के शव वर्मा।

कॉलेज में बाहरी तत्वों को लेकर आपस में भिड़े मोर्चा व परिषद के कार्यकर्ता

सिटी चीफ। भगवानदास बैरागी

शाजापुर, कॉलेज में बाहरी तत्वों पर लगाम लगाने में कॉलेज प्रशासन द्वारा ढिलाई बरती जा रही है। इसी बात को लेकर कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ लिए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने विवाद शांत कराया, लेकिन कुछ देर बाद फिर विवाद बढ़ा और पथराव भी होने लगा। तब एएसपी ने मय दलबल के पहुंचकर मामले को शांत कराया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही हैं। दरअसल दो दिन पहले भी अभाविप द्वारा कॉलेज में बाहरी तत्वों के कॉलेज में आने पर रोक लगाने सहित आईडी कार्ड वालों को ही प्रवेश दिए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा था। बुधवार को भी अभाविप कार्यकर्ता कॉलेज में यह देखने पहुंचे थे कि उनकी मांग पर कॉलेज प्रशासन ने क्या कार्रवाई की। इस दौरान उन्हें एक युवक मिला जो न तो यूनिफार्म में था और न ही उसके पास आईडी कार्ड था। जबकि वह युवा मोर्चा का कार्यकर्ता था जिसे अभाविप

कार्यकर्ताओं ने बाहर जाने को कहा। इस पर दोनो में विवाद होने लगा। कुछ देर बाद कॉलेज में युवा मोर्चा के लोग वहां पहुंच गए और दोनो ही गुट आमने-सामने हो गए। विवाद की सूचना कॉलेज प्रशासन ने लालघाटी पुलिस को दी। जिसने मौके पर पहुंचकर विवाद शांत कराया।

अभाविप ने फूंका कॉलेज प्रशासन का पुतला

इधर बाहरी तत्वों पर कार्रवाई न करने पर विरोध जताया और कॉलेज प्रशासन का पुतला फूंक दिया। अभाविप कार्यकर्ताओं का कहना था कि उन्होंने दो दिन पहले ही ज्ञापन सौंपकर बाहरी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन कॉलेज प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। जिसके विरोध में कॉलेज प्रशासन का पुतला फूंका गया है।

दोपहर में फिर आमने-सामने हुए कार्यकर्ता, चले पत्थर

पुलिस ने विवाद भी शांत करवा दिया था और कॉलेज में पूरी तरह शांति थी,

पुलिस ने संभाला मोर्चा, पथराव भी हुआ

लेकिन कुछ देर बाद फिर दोनो गुटों के लोग कॉलेज पहुंचे जहां दोनो फिर आमने-सामने हो गए। कुछ देर बाद कॉलेज परिसर से पत्थर भी चलने लगे। हालांकि पथराव में किसी को कोई चोंट नहीं आई है। सूचना मिलने पर पहुंचे एएसपी ने मोर्चा संभाला और दोनो गुटों को समझाईश देकर मामले को शांत करवाया। हालांकि पथराव में एक बस के कांच क्षतिग्रस्त हुए हैं। बस मालिक ने इसे लेकर थाने में आवेदन देकर पथराव करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नव मतदाता सम्मेलन के लिए पहुंचे थे मोर्चा कार्यकर्ता

युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बताया कि वे कॉलेज में नव मतदाताओं से मिलने और उन्हे जागरूक करने के लिए यहां आए थे ताकि 18 से 25 वर्ष की उम्र के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। साथ ही उन्हें मतदान का महत्व बताने हेतु प्रधानमंत्री द्वारा सम्मेलन को संबोधित किया जाएगा उसके लिए भी वे कॉलेज के मतदाताओं से चर्चा करने के लिए पहुंचे थे।

इनका कहना है

श्याम टेलर (जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा) शाजापुर- सामान्य विवाद की जानकारी लगी है। इसकी जानकारी जुटाई जा रही है जो भी दोषी पाया जाएगा उसे बख्शा नही जाएगा।

संजय वर्मा, (थाना प्रभारी लालघाटी) शाजापुर- एक बस संचालक द्वारा आवेदन दिया गया है। जिसमें पथराव करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। एक पक्ष ने अजाक थाने पर भी आवेदन देकर पथराव करने वालों के खिलाफ देकर कार्रवाई की मांग की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

इस्राइल पर लगे आरोपों पर कल फैसला सुनाएगा अंतरराष्ट्रीय अदालत

हेग- इस्राइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने अहम घोषणा की है। न्यायालय ने घोषणा की कि अदालत शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के आरोपों पर फैसला सुनाएगा। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका ने इस्राइल के खिलाफ गाजा में नरसंहार का आरोप लगाते हुए अंतरराष्ट्रीय अदालत का रुख किया था। अदालत से दक्षिण अफ्रीका ने अनुरोध किया था कि वह जल्द से जल्द इस्राइली सैन्य अभियानों को रोकने का आदेश दे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीजे ने बुधवार को एक बयान जारी किया। बयान में अदालत ने कहा कि शुक्रवार को दोपहर एक बजे हेग के पीस पैलेस में एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान न्यायाधीश जोन ई. डोनोग्यू अदालत का फैसला पढ़ेंगे। 26 जनवरी को अदालत गाजा में इस्राइल के कथित नरसंहार की रोकथाम पर अपना फैसला सुनाएगा। अफ्रीका और इस्राइल ने अदालत में रखा अपना पक्ष इससे पहले सुनवाई के दौरान, अंतरराष्ट्रीय अदालत में दक्षिण अफ्रीका के वकील अदिला हासिम ने कहा था कि अदालत में पिछले 13 सप्ताह के सूबत पेश किए गए हैं। हासिम ने कहा कि गाजा के लोग पीड़ित है। गाजा के लोगों की पीड़ा को सिर्फ अदालत का आदेश ही रोक सकता है। सुनवाई के दौरान, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो के माध्यम से अपना पक्ष रखा था। उन्होंने कहा कि यह एक उल्टी दुनिया है। इस्राइल पर नरसंहार का आरोप लगाया है बल्कि इस्राइल तो नरसंहार से लड़ रहा है। दक्षिण अफ्रीका का पाखंड आसमान तक चिल्लाता है। इस्राइली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लियोर हयात ने ट्वीट कर कहा था कि दक्षिण अफ्रीका द्वारा अदालत में पेश किया गया मामला सबसे बड़ा पाखंड है। अदालत में उनकी कानूनी टीम हमास प्रतिनिधि के रूप में काम कर रही है। दक्षिण अफ्रीका के दावे निराधार और झूठे हैं। अदालत के फैसले को नजरअंदाज किया बता दें, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय दो देशों के बीच जारी विवाद को सुलझाने का एक स्थल है। अदालत यूरोपीय देश हेग में स्थित है। आईसीजे को संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च न्यायालय माना जाता है। हालांकि, ऐसा जरूरी नहीं है कि इस अदालत के फैसले को माना ही जाए। कई बार देशों ने अदालत के फैसले को नजरअंदाज किया है। अदालत ने रूस को भी आदेश दिया था कि वह यूक्रेन में जारी अपने सैन्य अभियान को तुरंत बंद करे लेकिन रूस ने ऐसा नहीं किया और यूक्रेन

सउदी अरब में खुलने जा रहा पहला अल्कोहल स्टोर

पाबंदियों के साथ मिलेगी शराब

इंटरनेशनल डेस्क = सऊदी अरब अपना पहला अल्कोहल स्टोर खोलने की तैयारी कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार ये स्टोर सउदी अरब की राजधानी रियाद में खोला जाएगा। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में एक बड़े कदम के तौर पर देखा जा रहा है। इसे अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए विज़न 2030 नामक व्यापक योजनाओं का एक हिस्सा के तौर पर देखा जा रहा है। मोबाइल से होगा पंजीकरण रॉयटर्स के हवाल से बताया गया है कि ग्राहकों को एक मोबाइल ऐप के माध्यम से पंजीकरण करना होगा, विदेश मंत्रालय से क्लीयरेंस कोड मिलने के बाद उनके लिए एक मासिक कोटा तय किया जाएगा। नया स्टोर रियाद के डिप्लोमैटिक क्वार्टर में होगा। बता दें कि ये वह जगह है जहां दूतावास और राजनयिक रहते हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि अन्य गैर-मुस्लिम प्रवासियों को स्टोर तक पहुंच मिलेगी या नहीं, और सऊदी अरब में लाखों प्रवासी रहते हैं लेकिन, उनमें से अधिकतर एशिया और मिस्र से आए मुस्लिम कामगार हैं। बहुत कम संख्या में अन्य संप्रदाय के प्रवासी रहते हैं। एक सूत्र ने दावा किया कि स्टोर आने वाले हफ्तों में खुलने की उम्मीद है।

कड़ाके की ठंड, शीतलहर भी नहीं कर सकी राम भक्तों के हौसले पस्त

दूसरे दिन ढाई लाख से ज्यादा लोगों ने किए रामलला के दर्शन

नेशनल डेस्क: रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आम लोगों के लिए खोले गए अयोध्या के मंदिर में दूसरे दिन बुधवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। रामपथ और मंदिर परिसर के आसपास सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतार देखने को मिली। कड़ाके की ठंड, कोहरे और शीतलहर के बीच लोग मंदिर के बाहर लाइन में खड़े नजर आए। श्रद्धालु 'जय श्री राम के नारे लगाते दिखे। जिला प्रशासन के मुताबिक मंदिर में बुधवार को ढाई लाख से ज्यादा लोगों ने रामलला के दर्शन किए। अधिकारियों ने बताया कि मंदिर के मार्गों पर जन सैलाब उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए प्रशासन व पुलिस की टीम पूरी तरह मुस्तैद रही। बुधवार सुबह मंदिर के कपाट खुलने के बाद रामलला के दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि सोमवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आम लोगों के लिए मंगलवार को खोले गए मंदिर मे पहले दिन पांच लाख लोगों ने दर्शन किए, वहीं बुधवार को भी सुबह से श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन करवाने के लिए प्रशासन जुटा रहा। उन्होंने बताया कि बुधवार को ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। जिलाधिकारी ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी संख्या के चलते फिलहाल मंदिर सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक खोला जा रहा है।

हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी जहाज पर दागी तीन बैलिस्टिक मिसाइलें

अमेरिका ने दो को हवा में ही किया नष्ट

इस्राइल और हमास के युद्ध के कारण समुद्री हमलों में इजाफा हुआ है। इस बीच एक बार फिर अदन की खाड़ी में एक जहाज पर हमला हो गया। जहाज अमेरिका की हैं। अमेरिकी जहाज पर हूती विद्रोहियों ने तीन एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं हैं। बता दें, इससे पहले भी विद्रोहियों ने अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाया है, जिसके जवाब में अमेरिका ने हूती ठिकानों पर हमले किए हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट करके हमले की सूचना दी। कमांड ट्वीट कर कहा कि हूती ने बुधवार को दोपहर करीब दो बजे अमेरिकी ध्वज वाले जहाज मेसर्क डेट्रॉइट पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं हैं। कमांड ने बताया कि जहाज पर विद्रोहियों ने अचानक हमला कर दिया। पहला मिसाइल समुद्र में गिर गया। दूसरे और तीसरे मिसाइलों को हमने नष्ट कर दिया। जहाज में कोई भी घायल नहीं हुआ है। सभी सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, अमेरिका समुद्री हमलों को लेकर गंभीर है। अमेरिका ने ब्रिटेन के साथ मिलकर सोमवार को ही विद्रोहियों के बुनियादी ढांचे पर हमला किया था। अलग-अलग स्थानों पर हमले करके अमेरिका-ब्रिटेन ने हूतियों की कमर तोड़ दी है। इन हमलों का कनाडा, नीदरलैंड, बहरीन और ऑस्ट्रेलिया ने समर्थन किया है। अमेरिका आगे भी हमलों का जवाब देंगे हाल ही में व्हाइट हाउस के अधिकारी, जॉन किर्बी ने कहा था कि अगर समूह आगे भी हमले जारी रखेगा तो अमेरिका उनका मुकाबला करेगा। किर्बी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। इस दौरान किर्बी ने कहा कि हमें पता है कि समूह के पास अब भी सैन्य शक्ति है। अब उनको तय करना है कि वह इन शक्ति का इस्तेमाल कैसे करेंगे। अगर वे हमले जारी रखेंगे तो हम भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे और उनका उचित मुकाबला करेंगे। जैसा हम करते हैं। हूती के सैन्य प्रवक्त ब्रिगेडियर जनरल याह्मा साड़ी ने कहा था कि हूती अमेरिका के हमलों का उचित जवाब दिया जाएगा।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर संबोधित करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू, राष्ट्र के नाम देंगी संदेश

नई दिल्ली-भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। 26 जनवरी को भारत धूमधाम से अपने लोकतंत्र का त्योहार मनाएगा। समस्त देशवासियों में 26 जनवरी को लेकर उत्साह है। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति देशवासियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। इसी के साथ वे देश में हुए नवाचारों और देश के उत्थान पर हर्ष व्यक्त करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू देशवासियों को 26 जनवरी के पावन अवसर की शुभकामनाएं देंगी। गणतंत्र दिवस का यहा है कार्यक्रम 75वें गणतंत्र दिवस की थीम 'विकसित भारत और भारत-लोकतंत्र की मातृका' रखी गई है। गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ (पहले राजपथ कहा जाता था) पर ध्वजारोहण करेंगी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह अमर जवान ज्योति पर श्रद्धांजलि देंगे। इस समारोह के मुख्य आकर्षण यानी परेड का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच है। परेड का रुट विजय चौक से नेशनल स्टेडियम के बीच है जो पांच किमी होगा। मुख्य कार्यक्रम दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर होगा। समारोह में मेहमान कौन हैं? फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि हैं। परेड में फ्रांस की 95 सदस्यीय मार्चिंग टीम और 33 सदस्यीय बैंड दल भी शिरकत करेगा। भारतीय वायु सेना के विमानों के साथ एक मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट (एमआरटीटी) विमान और फ्रांसीसी वायुसेना के दो राफेल लड़ाकू जेट भी फ्लाई-पास्ट में हिस्सा लेंगे। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने बताया कि कर्तव्य पथ पर परेड देखने के लिए 77 हजार सीटों की क्षमता है। इनमें से आम जनता के लिए 42 हजार सीट टिकटों के जरिये बुक की जाती हैं। इस बार कितनी झाकियां निकलेंगी? परेड में 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां दिखाई जाएंगी। ये राज्य उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, लद्दाख, तमिलनाडु, गुजरात, मेघालय, झारखंड और तेलंगाना हैं। इसके अलावा नौ केंद्र सरकार के नौ मंत्रालयों की झांकिया भी कर्तव्य पथ पर चलेगी। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के रंगशाला में इन्हें अंतिम रूप दिया गया है। स्मारक सिक्का और स्मारक टिकट देश इस वर्ष अपने गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, इसलिए रक्षा मंत्रालय समारोह के दौरान एक स्मारक सिक्का और स्मारक टिकट जारी करेगा।

बेंगलुरु में रामलला के मूर्तिकार अरुण योगीराज का भव्य स्वागत, लगे जय श्रीराम के नारे

बेंगलुरु: अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की शोभा बढ़ा रही रामलला की मूर्ति को बनाने वाले अरुण योगीराज का बुधवार को बेंगलुरु पहुंचने पर शानदार स्वागत हुआ। योगीराज की मूर्ति उन तीन मूर्तियों में से एक थी जिसे अयोध्या मंदिर न्यास द्वारा चुना गया। मूर्तिकार के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के साथ ही बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता माला लेकर उनका स्वागत करने के लिए उमड़ पड़े। उन्होंने जय श्री राम और योगीराज जिंदाबाद के नारों के बीच उन पर पुष्प वर्षा की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मूर्तिकार ने भगवान राम की मूर्ति बनाकर राज्य और अपने शहर मैसूर को गौरवान्वित किया है। हवाईअड्डे पर मौजूद योगीराज की पत्नी विजेता ने कहा कि वह बेहद खुश हैं कि उनके पति ने एक इतिहास रचा है।

चीन में भूकंप के बाद 12,000 से अधिक लोग बेघर, तबूंओं में झेल रहे ठंड की मार

इंटरनेशनल डेस्क: चीन के पश्चिमी क्षेत्र में सोमवार को आए भूकंप के कारण 12,000 से अधिक लोग बेघर हो गए हैं और ठंड से बचने के लिए उन्होंने तंबुओं या अन्य आश्रय स्थलों पर शरण ली हुई है। बुधवार को भी भूकंप के बाद झटके (आफ्टरशॉक) जारी रहे। चीन के शिनजियांग क्षेत्र के एक दूरस्थ इलाके में सोमवार देर रात आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, पांच घायल हैं, और सैकड़ों इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कड़कड़ाती ठंड के बीच भूकंप के कारण काफी नुकसान हुआ, लेकिन कजाखस्तान की सीमा के पास स्थित और भूकंप का केंद्र रहे उचतुरपन काउंटी में विरल आबादी होने के कारण जान-माल का नुकसान अपेक्षाकृत कम हुआ है। सुरक्षित निकाले गए लोगों ने तंबुओं में ली शरण सरकारी प्रसारणकर्ता 'सीसीटीवी के फुटेज में दिखाया गया कि सुरक्षित निकाले गए लोगों ने तंबुओं में शरण ली है और ठंड से बचाव के लिए वहां अलाव भी जलाए गए हैं । उचतुरपन के 16 वर्षीय छात्र जियान गेवा ने बताया कि जब भूकंप आया तब वह शौचालय में था। उसने कहा कि पूरा भवन जोर-जोर से हिल रहा था। जियान ने कहा, ''मैंने सुरक्षित स्थान की तरफ भागने की कोशिश की। अब उन्होंने अपने दादा के साथ एक स्कूल के छात्रावास में आश्रय लिया हुआ है। उनके अलावा यहां लगभग 200 अन्य लोग भी रह रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि लोगों को घरों में जाने की इजाजत देने से पहले उनके ढांचे की स्थिरता की जांच करने की योजना बनाई गई है। भूकंप के कारण 851 इमारतों को किसी न किसी स्तर पर हुआ नुकसान किजिलसु किर्गिज प्रांत के एक अधिकारी ने बताया कि उनके प्रांत में भूकंप के कारण 851 इमारतों को किसी न किसी स्तर पर नुकसान हुआ है। इसके अलावा भूकंप के केंद्र के पास वाले क्षेत्र में 93 ढांचे ढह गये हैं और 910 पशु मारे गये हैं। यहां बचाव कार्य के लिए 2,300 से अधिक कर्मियों को तैनात किया है और अक्की काउंटी में 7,338 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अलग-अलग प्रांतों में कुल मिलाकर 12,426 लोगों को बचाया गया है।

कनाडा में विमान दुर्घटनाग्रस्त, 6 लोगों की मौत

ओटावा: कनाडा के उत्तर पश्चिम क्षेत्र (एनडब्ल्यूटी) के फोर्ट स्मिथ के आसपास बीएई जेटस्ट्रीम विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई है। कनाडा के उत्तर पश्चिम क्षेत्र (एनडब्ल्यूटी) के कोरोनर कार्यालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। कनाडा के परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि वह एनडब्ल्यूटी में एक विमान दुर्घटना की जांच के लिए जांचकर्ताओं की एक टीम तैनात कर रहा है। मीडिया ने बताया कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस, कैनेडियन रेंजर्स और रॉयल कैनेडियन एयरफोर्स ने खोज और पुनर्प्राप्ति प्रयासों में भाग लिया। कोरोनर के बयान में कहा गया है''एनडब्ल्यूटी कोरोनर सर्विस ने चार यात्रियों और दो नॉर्थवेस्टर्न एयर लीज क्रू सदस्यों की मौत की पुष्टि की है , ये लोग फोर्ट स्मिथ से डियाविक डायमंड माइन की ओर जा रहे थे। दुर्घटना में एक व्यक्ति जीवित बचा था, जिसे फोर्ट स्मिथ स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया और फिर येलोनाइफ़ के स्टैंटन टेरिटोरियल अस्पताल में ले जाया गया।''

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569